संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 347-शुक्रवार 24- अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

तेजस्वी यादव महागठबंधन के सीएम फेस

मुकेश सहनी समेत 2 डिप्टी सीएम कैंडिडेट,अशोक गहलोत बोले...अब एनडीए बताए उनका नेता कौन

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन का सीएम चेहरा आरजेडी प्रमुख तेजस्वी यादव होंगे। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने महागठबंधन की ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अगर हमारी सरकार बनी तो उपमुख्यमंत्री मुकेश सहनी होंगे। उप मुख्यमंत्री और भी लोग बनाए जाएंगे,जो पिछड़े समुदाय से होंगे। गहलोत ने कहा कि हमारा नेता तो तेजस्वी यादव हैं। एनडीए बताए कि उनका सीएम फेस कौन होगा। सिर्फ नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे, कहने से नहीं चलेगा। ऐलान के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझ पर फिर से भरोसा जताया है। सभी का दिल से धन्यवाद है। सबसे कहना चाहता हूं कि जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरेंगे। 20 साल पुरानी निकम्मी सरकार को उखाड़कर फेंकेंगे।

पीएम बोले...ये महागठबंधन नहीं लठबंधन है,कार्यकर्ताओं से कहा... जंगलराज की वापसी नहीं होनी चाहिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के जरिए बिहार के बीजेपी कार्यकर्ताओं से बात कर रहे हैं। पीएम ने कहा...कि हमें बिहार में जंगलराज आने से रोकना है। ये गठबंधन नहीं है लोग इसे लठबंधन कहते हैं। वोटर लिस्ट लेकर घर-घर जाइए। लोगों से मिलिए और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित कीजिए। पीएम ने कहा,यह सारी ताकत 140 करोड़ देशवासियों की है और ये सारी ताकत मतदाता के एक वोट की है। उसी वोट ने आज ऐसी स्थिति पैदा की है कि राम मंदिर बन गया है, ऑपरेशन सिंदूर भी चलाया गया है और देश नक्सलवाद से मुक्ति की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। तो ये है वोट की ताकत।

महागठबंधन की प्रेस कॉन्फ्रेंस 50 मिनट चली,7 दलों के 14 नेता शामिल

महागठबंधन की ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस 50 मिनट चली। इसमें आरजेडी,कांग्रेस,वीआईपीसमेत 7 दलों के 14 नेता शामिल हुए। आरजेडी की ओर से तेजस्वी यादव,अब्दुल बारी सिद्दीकी, मनोज झा और संजय यादव मौजूद थे। वहीं कांग्रेस से अशोक गहलोत,राजेश राम,कृष्णा अल्लावरू, पवन खेड़ा और अभय दुबे थे। सीपीआई (माले) से दीपंकर भट्टाचार्य,वीआईपी पार्टी से मुकेश साहनी, सीपीआई (एम) से ललन चौधरी, सीपीआई से रामनरेश पांडे और ऑल इंडिया पान महासभा नेशनल से आईपी गुप्ता भी मंच पर मौजूद थे।

तेजस्वी ने कहा...बिहार में इंडस्ट्री नहीं, लोग पलायन कर रहे...

तेजस्वी ने कहा, जेडीयू के 20 साल राज करने के बाद, 11 साल मोदी के शासन के बाद बिहार सबसे गरीब है। बिहार में इंडस्ट्री नहीं है। बिहार से पलायन हो रहा है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में बिहार फिसड्डी है। बिना घूस दिए यहां काम नहीं होता। जनप्रतिनिधियों की भी पूछ नहीं है। डिपार्टमेंट मंत्री नहीं, अफसर चला रहे हैं। कई घोटाले हुए, लेकिन किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। चूहे पुल गिरा दे रहे हैं। पटना की सड़कों पर गोलियां चल रही हैं, बिजनेसमैन की हत्या हो गई, कहीं कुछ नहीं हुआ। एनडीए ने अपना कोई एजेंडा, ब्लूप्रिंट या मैनिफेस्टो नहीं बताया कि वे आगे आने वाले सालों में क्या करेंगे। ये हमारी नकल करते हैं हमने पेंशन बढ़ाने की, पेंशन बढ़ाने का कह दिया। हमने नौकरी देने का कहा तो नौकरी देने की बात करने लगे। ये थके लोग हैं। ये हर हाल में कुर्सी पर बैठना चाहते हैं, न कि बिहार को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

महागठबंधन में 3 सीटों पर टकराव खत्म, कांग्रेस-वीआईपी कैंडिडेट ने नाम वापस लिया

महागठबंधन में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद टकराव को खत्म किया जा रहा है। कांग्रेस के कैंडिडेट ने प्राणपुर और वारसलीगंज से नामांकन वापस लिया है। वहीं, मधुबनी जिले के बाबूबरही से वीआईपीकैंडिडेट ने नॉमिनेशन वापस लिया है। इन तीनों जगहों पर आरजेडी के कैंडिडेट्स से मुकाबला था। महागठबंधन 28 अक्टूबर को घोषणापत्र जारी करेगा। इसके बाद राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार में एक साथ रैली करेंगे।

मुकेश सहनी बोले...जब तक भाजपा को तोड़ेंगे नहीं,छोड़ेंगे नहीं

वीआईपी के मुकेश सहनी बोले...आज इस समय का मैं साढ़े तीन साल से इंतजार कर रहा था। भाजपा में जिस तरह से हमारे विधायकों को तोड़ा, गरीब मल्लाह को रोड पर ला दिया। हमने संकल्प लिया था कि जब तक भाजपा को तोड़ेंगे नहीं, छोड़ेंगे नहीं। महागठबंधन मजबूत है। हम सरकार बनाएंगे। कांग्रेस नेता राजेश राम बोले-सर्वप्रथम छठ पूजा की शुभकामनाएं देता हूं। इंडिया गठबंधन की बैठक कई महीनों चली। कई सवाल आपके बीच आते थे। इतना ही कहूंगा कि गठबंधन एकजुट है। आज का दिन सपना साकार करने वाला होगा। आज पूरी ताकत दिखेगी। हम लोग तेज रफ्तार आगे बढ़ेंगे।

तेजस्वी ने कहा...जो विश्वास जताया है,उस पर खरा उतरेंगे

तेजस्वी ने कहा,हम सभी का दिल से धन्यवाद देते हैं कि मुझ पर पुन भरोसा जताया है। सभी का दिल से धन्यवाद है। सबसे कहना चाहता हूं कि जो विश्वास जताया है,उस पर खरा उतरेंगे। 20 साल पुरानी निकम्मी सरकार को उखाड़कर फेंकेंगे। जैसा कि गहलोत जी ने कहा कि नीतीश जी के साथ एनडीए में जो अन्याय हो रहा है, उन्हें सीएम फेस घोषित नहीं किया गया। वे लोग नीतीश जी मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे। ये अमित शाह जी एक बार नहीं,कई बार बोल चुके हैं। आखिर आप लोग मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान क्यों नहीं कर रहे? जेडीयू के कई नेता नीतीश जी की खराब सेहत का फायदा उठाकर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं,अपनी पार्टी खत्म कर रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा... हमें बिहार बनाने का काम करना है

तेजस्वी यादव ने कहा,हमारे बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत, दीपांकर चौधरी,अब्दुल बारी सिद्दीकी,मुकेश सहनी,कृष्णा लवरू समेत महागठबंधन के कई साथी मौजूद हैं। हमसे ज्यादा आप लोगों को इंतजार था कि महागठबंधन का सीएम फेस कौन होगा। हमें बिहार बनाने का काम करना है,इसलिए एकजुट हुए हैं।

देश के हालात गंभीर: अशोक गहलोत ने कहा...

बिहार कांग्रेस के प्रभारी अशोक गहलोत बोले- देश के हालात गंभीर हैं। लोग चिंतित हैं। किसी को नहीं पता कि देश किस दिशा जाएगा। हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि देश कहां जाएगा। बिहार के चुनाव पर देशभर की नजर है। बेरोजगारी हो या अन्य कई मुद्दे हों, जैसा कि सब साथियों ने बताया,छात्र,युवा,किसान,चिंता रोजगार की है। लोग बदलाव चाहते हैं। गहलोत ने कहा... हमारे सामने बहुत बड़ी चुनौती है। डेमोक्रेसी का मुखौटा रह गया है। मैं क्या कहूं,आप लोग सब जानते हैं। बीजेपी को लोकसभा चुनाव में 240 पर समेट दिया। तेजस्वी जी ने उस वक्त भी कमाल किया था।

महागठबंधन में हम एक हैं और एक रहेंगे : अब्दुल बारी सिद्दीकी

आरजेडी के अब्दुल बारी सिद्दीकी बोले... हम संदेश देना चाहते हैं कि दो लोगों के बीच लड़ाई है। बिहार से देश में ये संदेश देने का काम होगा कि हम संविधान की रक्षा करने का काम करेंगे। हम एक हैं और एक रहेंगे। संविधान को कमजोर करने की साजिश एनडीए द्वारा की जा रही है,हम उसका जवाब देंगे।

केंद्र की मंजूरी: तीनों सेनाओं के लिए 79 हजार करोड़ से खरीदे जाएंगे हथियार

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। केंद्र सरकार ने तीनों सेनाओं की जरूरतों को देखते हुए हथियार और गोला-बारूद खरीदने के लिए 79 हजार करोड़ रुपये को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में लिए गए इन फैसलों से सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय सेना के लिए नाग मिसाइल सिस्टम मार्क-2 खरीदने से दुश्मन के लड़ाकू वाहनों को बेअसर करने की क्षमता बढ़ेगी। साउथ ब्लॉक में बैठक के दौरान लगभग 79 हजार करोड़ रुपये की राशि के विभिन्न सेवाओं के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। भारतीय सेना के लिए नाग मिसाइल सिस्टम मार्क-2, ग्राउंड बेस्ड मोबाइल ईएलआईएनटी सिस्टम (जीबीएमईएस) और मैटेरियल हैंडलिंग क्रेन के साथ हाई मोबिलिटी व्हीकल्स (एचएमवी) की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई। नाग मिसाइल सिस्टम से भारतीय

सेना की दुश्मन के लड़ाकू वाहनों, बंकरों और अन्य क्षेत्रीय किलेबंदी को बेअसर करने की क्षमता बढ़ेगी, जबकि जीबीएमईएस दुश्मन के बारे में 24 घंटे इलेक्ट्रॉनिक खुफिया जानकारी देगा।

एचएमवी को शामिल करने से विविध भौगोलिक इलाकों में सशस्त्र बलों को रसद सहायता में काफी सुधार होगा। भारतीय नौसेना के लिए लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स (एलपीडी),30 मिमी नेवल सरफेस गन (एनएसजी),एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो (एएलडब्ल्यूटी),इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफ्रा-रेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और 76 मिमी सुपर रैपिड गन माउंट के लिए स्मार्ट गोला-बारूद खरीदा जाना है। एलपीडी की खरीद से भारतीय नौसेना को भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के साथ उभयचर अभियान संचालन करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा भारतीय नौसेना को शांति अभियानों, मानवीय सहायता और आपदा राहत आदि में भी आसानी होगा। डीआरडीओ के नौसेना विज्ञान और तकनीकी प्रयोगशाला में स्वदेशी रूप से विकसित एएलडब्ल्यूटी पारंपरिक, परमाणु और छोटी पनडुब्बियों को निशाना बनाने में सक्षम है।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को बंदरगाह तक सीमित रखने में नौसेना की भूमिका को रक्षा मंत्री ने सराहा

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। भारतीय नौसेना की द्विवार्षिक कमांडर्स कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने संदेश दिया कि हम हर चुनौती का जवाब देने के लिए हमेशा तैयार हैं। उन्होंने इस ऑपरेशन को भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और क्षमता का प्रतीक बताते हुए पाकिस्तान को बंदरगाह या उसके तट तक ही सीमित रखने के लिए भारतीय नौसेना की भूमिका को सराहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया ने इस ऑपरेशन के दौरान नौसेना की परिचालन तत्परता,पेशेवर क्षमता और ताकत देखी। वर्तमान युद्ध को तकनीक और खुफिया जानकारी पर आधारित बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि समुद्री तैयारी अब केवल जहाजों या पनडुब्बियों तक सीमित नहीं,बल्कि यह तकनीक-संचालित, नेटवर्क-केंद्रित और स्वायत्त प्रणालियों पर आधारित है। हमें इन क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाते हुए अपने विरोधियों की आधुनिक तकनीकों से खुद को सुरक्षित रखने की आवश्यकता है। हमारे पास क्षमता और योग्यताएं हैं। हम अपने उपकरण अपनी धरती पर ही बना रहे हैं। रक्षा मंत्री ने इस बात की सराहना की कि आत्मनिर्भर

भारत के तहत भारतीय नौसेना न केवल रक्षा उत्पादन में लगी हुई है,बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि आज हमारी नौसेना देश की आत्मनिर्भरता, नवाचार और औद्योगिक विकास में अग्रणी बन गई है। भारतीय नौसेना के द्विवार्षिक कमांडरों के सम्मेलन का दूसरा संस्करण नौसेना प्रमुख के उद्घाटन भाषण के साथ बुधवार को शुरू हुआ। नौसेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रदर्शित परिचालन उत्कृष्टता और युद्ध तत्परता सुनिश्चित करने के लिए टीम नौसेना के सामूहिक समर्पण, व्यावसायिकता और निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना की,जो हमारे राष्ट्र के लिए गौरव का स्रोत है। भारतीय नौसेना के उपयोगकर्ताओं के लिए जेम हैंडबुक का तीसरा संस्करण नौसेना कमांडरों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने जारी किया। यह तीसरा संस्करण सार्वजनिक खरीद के लिए पोर्टल की विकसित होती कार्यक्षमताओं और बेहतर उपयोग के साथ तालमेल बनाए रखने के हमारे निरंतर प्रयास का प्रतीक है। मौजूदा भू-रणनीतिक परिवेश पर प्रकाश डालते हुए नौसेना प्रमुख ने क्षेत्र में बेहतर तैयारी, अनुकूलनशीलता और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा में नौसेना की भूमिका को रेखांकित किया। भारतीय नौसेना की एक युद्ध-तैयार बल के रूप में स्थिति की पुष्टि करते हुए नौसेना प्रमुख ने कई सफल परिचालन तैनाती और संयुक्त अभियानों के निर्बाध निष्पादन की सराहना की। उन्होंने महत्वपूर्ण क्षमता वृद्धि और खरीद का उल्लेख किया,जिसने नौसेना की परिचालन क्षमता को और मजबूत किया है। हिंद महासागर क्षेत्र में पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में नौसेना की भूमिका पर ज़ोर देते हुए नौसेना प्रमुख ने महासागर के व्यापक दृष्टिकोण के तहत आईओएस सागर की तैनाती और एआईकेवाईएमई के संचालन जैसी पहलों पर प्रकाश डाला। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भारतीय नौसेना के कमांडरों के सम्मेलन के पहले दिन नौसेना कमांडरों को संबोधित किया। उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में चुनौतियों से निपटने में नौसेना की प्रमुख भूमिका की सराहना की और तालमेल,संयुक्त योजना और संचालन के एकीकृत निष्पादन के महत्व पर बल दिया।

पूर्व डीजीपी के बेटे की मौत की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई,कोहनी के पास मिला सिरिंज का निशान

पंजाब,23 अक्टूबर 2025। पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा के बेटे अकील अख्तर की संदिग्ध मौत के मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। अकील अख्तर के दाएं हाथ की कोहनी से करीब 7 सेंटीमीटर नीचे सिरिंज का निशान मिला। पोस्टमार्टम की आंतरिक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। अकील अख्तर की शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ था कि वह ड्रग्स का आदी था,लेकिन वह किस तरह का ड्रग लेता था और क्या ये ड्रग इंजेक्शन के माध्यम से लिया जाता था,इस पर कुछ भी नहीं कहा गया था। हालांकि,अब अकील के बाजुओं पर सीरिंज लगाने के कई निशान मिले हैं, कि आमतौर पर किसी भी ड्रग एडिक्ट व्यक्ति के बाजुओं पर दिखाई देते हैं। पोस्टमार्टम की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर हरियाणा पुलिस की एसआईटी ने एसीपी विक्रम नेहरा की अगवाई में जांच शुरू कर दी है। अकील अख्तर की मौत 16 अक्टूबर की देर रात पंचकूला के एमडीसी स्थित आवास पर हुई थी। परिवार ने शुरू में इसे दवाइयों की ओवरडोज के कारण हुई मौत बताया था। इसी क्रम में 21 अक्टूबर को पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा और उनकी पत्नी तथा पंजाब की पूर्व कैबिनेट मंत्री रजिया सुल्ताना पर उनके बेटे अकील अख्तर की संदिग्ध मौत के मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी। अकील अख्तर का 27 अगस्त को एक वीडियो सामने आया था,जिसमें उन्होंने अपने पिता और पत्नी के बीच अवैध संबंध का जिक्र करते हुए परिवार के लोगों पर उनकी हत्या की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया था

त्योहारों पर भीड़ नियंत्रण के लिए 76 रेलवे स्टेशनों पर बनेंगे होल्डिंग एरिया: रेल मंत्री वैष्णव

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। दिवाली और छठ पूजा मनाने के लिए रेल के जरिये लाखों लोगों की आवाजाही के बीच भारतीय रेलवे ने भीड़ के सुचारू प्रबंधन के लिए कई कदम उठाए हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एकदिन पहले स्वयं नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया और गुरुवार को उन्होंने भीड़ नियंत्रण को लेकर 24 घंटे निगरानी के लिए बनाए गए एआई प्रबंधित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। रेलवे भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यातायात पैटर्न के विस्तृत अध्ययन और यात्रियों की बढ़ती संख्या का विश्लेषण कर इसके सुचारू प्रबंधन के लिए तंत्र विकसित किया गया है।अतिरिक्त भीड़ को

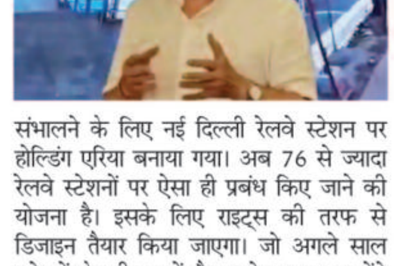

संभालने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाया गया। अब 76 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों पर ऐसा ही प्रबंध किए जाने की योजना है। इसके लिए राइट्स की तरफ से डिजाइन तैयार किया जाएगा। जो अगले साल त्योहारों के सीजन में तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 100 से ज़्यादा स्टेशनों पर टिकट काउंटर बढ़ाए गए। उन्होंने इन कदमों के सकारात्मक परिणाम साझा करते हुए कहा कि इस त्यौहारी सीज़न में अब तक 1 करोड़ से ज़्यादा यात्री सुरक्षित घर पहुंच चुके हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब हमने पहली बार प्रतीक्षालय देखा,तो इसकी क्षमता अपर्याप्त थी। 18 अक्टूबर को बहुत भीड़ थी,इसलिए 19 अक्टूबर को तुरंत हमने यात्रियों को आराम से समायोजित करने के लिए प्रतीक्षालय का विस्तार किया। अब क्षमता पर्याप्त से अधिक है। अब 24,25 और 26 अक्टूबर को भीड़ की संभावना को देखते हुए पर्याप्त बंदोबस्त किए गए हैं।

सबरीमाला गोल्ड चोरी केस मंदिर का पूर्व अधिकारी गिरफ्तार

एसआईटी कोर्ट से कस्टडी की मांग करेगी

तिरुवनंतपुरम,23 अक्टूबर 2025। केरल के सबरीमाला मंदिर से गोल्ड कम होने के मामले में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने मंदिर के पूर्व अधिकारी बी. मुरारी बाबू को चंगनाश्शेरी स्थित घर से गिरफ्तार किया। एसआईटी ने गुरुवार को बताया कि मुरारी से तिरुवनंतपुरम के क्राइम ब्रांच ऑफिस में पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि एसआईटी बाबू को पथानामथिट्टा में ज्यूडिशियल फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश करेगी और कस्टडी की मांग करेगी। मुरारी द्वारपालक मूर्तियों की सोने की प्लेट और गर्भगृह के दरवाजों की फ्रेम से सोना गायब होने से जुड़े दो मामलों में आरोपी है। इस मामले में त्रावणकोर देवास्वोम बोर्ड की विजिलेंस टीम ने शुरुआती जांच के बाद रिपोर्ट पेश की थी,जिसमें बोर्ड के 9 अधिकारियों के खिलाफ ऐक्शन लेने का फैसला किया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था जहां कोर्ट ने 6 अक्टूबर को जांच के लिए एसआईटी गठित की थी,जिसे 6 हफ्ते में रिपोर्ट देना है।

चुनाव आयोग का निर्देश : सीईओ एआईआर तैयारियों को दें अंतिम रूप,चुनावी राज्यों पर विशेष जोर

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। मतदाता सूची को अपडेट करने से जुड़ी विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया की राष्ट्रव्यापी तैयारियों पर मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का दो दिवसीय सम्मेलन आज यहां संपन्न हुआ। इसमें चुनाव आयोग ने सीईओ को अपने-अपने राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। चुनाव आयोग के अनुसार दो दिवसीय सम्मेलन नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल मैनेजमेंट में हुआ। इसमें आयोग ने राज्य व केंद्र शासित प्रदेश में वर्तमान मतदाताओं को पिछले एसआईआर के अनुसार मतदाताओं के साथ जोड़ने के लिए सीईओ को पहले जारी किए गए निर्देशों पर हुई प्रगति का आकलन किया।

दिल्ली के रोहिणी में मुठभेड़,बिहार के चार वांछित बदमाश ढेर

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। दिल्ली के रोहिणी में दिल्ली पुलिस और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने बिहार के चार बदमाशों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। यह मुठभेड़ रोहिणी के बहादुर शाह मार्ग पर डॉ.अंबेडकर चौक से लेकर पंसाली चौक तक चला। संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) सुरेंद्र कुमार के मुताबिक चारों बदमाशों की पहचान रंजन पाठक (25) निवासी मलहई थाना सुरसंड जिला सीतामढ़ बिहार, विमलेश महतो उर्फ विमलेश साहनी (25) निवासी रतनपुर थाना बजपट्टी जिला सीतामढ़ी, मनीष पाठक (33) निवासी मलहई

थाना सुरसंड जिला सीतामढ़ी और अमन ठाकुर (21) निवासी शेरपुर करावल नगर दिल्ली के रूप में हुई है। बदमाशों ने पिछले तीन महीनों में बिहार के सीतामढ़ी इलाके में पांच बड़ी वारदात को अंजाम दिया था। ये बदमाश गोलाबारी करके दिनदहाड़े लोगों की हत्या और सुपारी लेकर हत्या करते थे।

रंजन पाठक हत्या,रंगदारी और लूट जैसे कई गंभीर मामलों में आरोपित था और सिग्मा एंड कंपनी के नाम से गैंग चलाता था। बिहार के सीतामढ़ी और आसपास के इलाकों में पांच हाइप्रोफाइल हत्याओं को इस गैंग ने अंजाम दिया था। बिहार पुलिस की तरफ से रंजन पाठक पर 25 हजार रुपये का इनाम रखा गया है।

संपादकीय

आत्मघात की नादानी

यह शर्मसार करने वाली बात है कि दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में हो रही है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। दिल्ली में एक्यूआई का स्तर पौने चार सौ के खतरनाक स्तर तक पहुंच जाना कई इंजनों वाली सरकारों और समाज की सामूहिक विफलता को ही दर्शाता है। बताते हैं कि दिल्ली की आबोहवा पिछले पांच सालों के सबसे खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। मजबूरी की स्थिति में दिल्ली सरकार को ग्रैप-2 की सख्त नीतियां लागू करनी पड़ी हैं। निस्संदेह,दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है,बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं,जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दर्शाता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरुआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है। बहरहाल,कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी,लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि बच्चों और बुजुर्गों पर इस संकट का कितना नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा होगा।

देश में लाखों लोग श्वास संबंधी रोगों के कारण जीवन गंवा रहे हैं। सवाल यह है कि इस संकट को दूर करने के लिए, जो ग्रैप-2 सिस्टम लागू किया जाता है, क्या उसे इस संकट के हर साल आने की स्थिति को देखते हुए पहले से नहीं लागू किया जा सकता? धूल को उड़ने से रोकने और हवा में प्रदूषण कम करने के लिए पानी का छिड़काव क्या शेष महीनों में नहीं किया जाता? अब ट्रैफिक को नियंत्रित करने की बात की जा रही है ताकि सिग्नल पर गाड़ियां ज्यादा देर खड़ी न हों, जिससे प्रदूषण अधिक नहीं हो। आखिर क्यों हम सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त नहीं करते ताकि सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या को कम किया जा सके? कहा जा रहा है कि इलेक्ट्रिक वाहन भी प्रदूषण की दृष्टि से निरापद नहीं हैं। सीएनजी गाड़ियों को प्रोत्साहन को लेकर भी बड़े नीतिगत सुधार नहीं किए जा सके हैं। इसके बावजूद,सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक,सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी।

अखंड प्रचंड पुरुषार्थी अमित शाह

पवित्र ग्रंथ श्रीमद् भागवत गीता में लिखा गया है कि...
यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
सयत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।

अर्थात श्रेष्ठ मनुष्य जो आचरण करते हैं,अन्य मनुष्य वैसा ही आचरण करते हैं। श्रेष्ठ मनुष्य जो कुछ प्रमाण देते हैं,अन्य मनुष्य उसी के अनुसार आचरण करते हैं। भारत के सबसे अधिक समय तक गृह मंत्री होने का कीर्तिमान रचने वाले केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह उन्हीं श्रेष्ठ मनुष्यों की श्रेणी में आते हैं।उन्होंने अपने तप से, त्याग से,कर्तव्य निष्ठा से, संगठन निष्ठा से, कृतित्व से,अखंड प्रचण्ड पुरुषार्थ से प्रमाणित किया है। मन,वचन,काय से कर्तव्य पालन हेतु सर्वस्व समर्पण भाव से सिद्ध किया है।उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों के मन मस्तिष्क में, हृदय प्रदेश में अमिट छाप छोड़ी है। 22 अक्टूबर 1964 को मुंबई में गुजराती परिवार में जन्मे अमित शाह की प्रारम्भिक शिक्षा, गुजरात में अपने दादा के घर मानसा में हुई। उनको भारतीय शास्त्रों ,व्याकरण तथा महाकाव्य का अध्ययन भी बचपन में कराया गया। भारतीय दर्शन के प्रति उनकी अध्ययनशीलता उनके संभाषणों में समय-समय पर प्रकट होती रहती है उनके जीवन में उनकी माँ श्रीमती कुसुम बेन का विशेष प्रभाव रहा है। उन्हें खादी और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग की प्रेरणा माता से प्राप्त हुई है। आपातकाल के पश्चात 1977 में जब आम चुनाव हो रहे थे,तब 13 वर्ष के अमित शाह मेहसाणा लोकसभा सीट से प्रत्याशी रही सरदार वल्लभभाई पटेल की बेटी मणि बेन पटेल के लिए गलियों में पोस्टर,स्टीकर लगाने निकल पड़ते थे। इसी समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उनका जुड़ाव हुआ।राष्ट्रवाद,सेवा समर्पण,तप और त्याग के भाव का बीजारोपण हुआ। 1980 में 16 वर्ष की आयु में वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े।1982 में उनको अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गुजरात का संयुक्त सचिव भी बनाया गया।उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के 1984 में नारायणपुर वार्ड में सांघवी बूथ के एजेंट के रूप में कार्य किया। 1987 में वह भाजपा युवा मोर्चा से जुड़े। अध्ययन शील होने के कारण 80 के दशक में दीनदयाल शोध संस्थान से उनका लगाव रहा। वे राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख के निकट रहे,उनसे सीखने का अवसर भी प्राप्त हुआ। 1989 में भाजपा के अहमदाबाद के नगर सचिव बने। 1995 में अमित शाह को गुजरात प्रदेश के वित्त विकास निगम का अध्यक्ष बनाया गया।उन्होंने निगम की आर्थिक स्थिति को सशक्त किया। घाटे में चल रहे निगम को 214 प्रतिशत का लाभ हुआ। उन्होंने अनेक नवाचार जैसे पट्टा क्रय विक्रय, कार्यशील पूंजी अवधि लोन और ट्रक लोन प्रदान किए।

वर्ष 1997 में अमित शाह को भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कुछ समय बाद ही गुजरात की सरखेज विधानसभा के उपचुनाव में पार्टी द्वारा उन्हें प्रत्याशी बनाया गया। वह पहली बार 25000 से अधिक वोटो से जीतकर विधायक बने। वह निरंतर 2017 तक विधानसभा के सदस्य रहे हैं ।अमित शाह 36 वर्ष की आयु में 2002 में अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक के सबसे युवा अध्यक्ष बने। बैंक को घाटे से निकालकर मुनाफे में ले आए। वर्ष 2001 में उन्हें भाजपा की राष्ट्रीय सहकारिता प्रकोष्ठ का संयोजक नियुक्त किया गया। वह वर्ष 2002 से 2010 तक गुजरात सरकार में महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे हैं। उन्होंने खेलों को भी बढ़ावा दिया। सर्वप्रथम अहमदाबाद के प्राथमिक विद्यालय में शतरंज का प्रयोग किया,जिससे बच्चों के मानसिक विकास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके सुझाव पर गुजरात के समस्त प्राथमिक स्कूलों में सुझाव को लागू किया। उन्होंने क्रिकेट को भी बढ़ावा दिया वर्ष 2009 में गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन का उपाध्यक्ष बनाया गया।

त्योहारों से आगे की सच्चाई : भारतीय शहरों में वायु प्रदूषण सालभर का संकट

भारत के अधिकांश शहरों में वायु प्रदूषण को गलत रूप से एक मौसमी या त्योहार-केन्द्रित समस्या समझा जाता है। दिवाली या सर्दियों के बाद यह चर्चा गायब हो जाती है,जबकि प्रदूषण के स्रोत...वाहन,उद्योग,निर्माण धूल,और पराली जलाना- पूरे वर्ष सक्रिय रहते हैं। इस अस्थायी सोच के कारण नीतियाँ भी प्रतिक्रियात्मक बन जाती हैं। भारत को स्वच्छ ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन, सतत कृषि, औद्योगिक सुधार और नागरिक सहभागिता को जोड़कर एक दीर्घकालिक, वैज्ञानिक और व्यवहार-आधारित रणनीति अपनानी होगी ताकि स्वच्छ हवा सभी का अधिकार बन सके।

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय शहरों में वायु प्रदूषण आज केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा गहन संकट बन चुका है। हर वर्ष जब सर्दियाँ आती हैं या दिवाली का पर्व नज़दीक होता है, तब देश भर में वायु प्रदूषण पर अचानक चर्चाएँ तेज़ हो जाती हैं। समाचार चैनल,अख़बार और सोशल मीडिया पर धुंध और स्मॉग की तस्वीरें छा जाती हैं। कुछ हफ्तों के लिए लोग मास्क पहनते हैं,सरकारें आपात योजनाएँ बनाती हैं और फिर धीरे-धीरे यह विषय भूल जाता है। यही प्रवृत्ति–जिसमें प्रदूषण को केवल कुछ दिनों की मौसमी समस्या माना जाता है–वास्तव में सबसे बड़ी गलती है। क्योंकि वायु प्रदूषण भारत में कोई त्योहारों तक सीमित या अस्थायी समस्या नहीं, बल्कि पूरे वर्ष चलने वाली बहु-स्रोत और बहु-क्षेत्रीय चुनौती है।

भारत के अधिकांश शहरों में हवा की गुणवत्ता सालभर ख़राब बनी रहती है। विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट वर्ष 2024 के अनुसार, दुनिया के दस सबसे प्रदूषित शहरों में से नौ भारत में हैं, जिनमें दिल्ली, गाज़ियाबाद, भिवाड़ी, फरीदाबाद और लुधियाना प्रमुख हैं। दिल्ली का औसत पीएम 2.5 स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की सीमा से अठारह गुना अधिक पाया गया। यदि इसे केवल दिवाली के समय पटाखों से जोड़ दिया जाए,तो यह वास्तविक समस्या की गहराई को छिपा देता है। प्रदूषण के मुख्य कारण वर्षभर सक्रिय रहते हैं–वाहनों से निकलने वाला धुआँ, उद्योगों के उत्सर्जन, निर्माण कार्य की धूल, कचरा और पराली का दहन, थर्मल पावर संयंत्रों से निकलते गैस कण, और घरेलू ईंधनों का प्रयोग। समस्या को केवल मौसमी मान लेने से नीतियाँ भी प्रतिक्रियात्मक हो जाती हैं। सरकारें तब सक्रिय होती हैं जब प्रदूषण चरम पर पहुँच जाता है। कुछ दिनों के लिए स्कूल बंद कर दिए जाते हैं, वाहनों के लिए ऑड-ईवन योजना लागू होती है, पटाखों पर रोक लगाई जाती है या निर्माण गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाता है। ये कदम अस्थायी राहत तो देते हैं, परंतु मूल कारणों को नहीं मिटाते। जैसे ही मौसम बदलता है, सारी नीतियाँ ठंडी पड़ जाती हैं। यह दृष्टिकोण समस्या को टालने का है, हल करने का नहीं। वायु प्रदूषण का प्रभाव केवल कुछ हफ्तों तक सीमित नहीं रहता। यह पूरे वर्ष हमारे शरीर पर असर डालता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में हर साल लगभग सत्रह लाख लोगों की अकाल मृत्यु वायु प्रदूषण से होती है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के एक अध्ययन में पाया गया कि दिल्ली में बच्चों में अस्थमा, एलर्जी और फेफड़ों की बीमारियों के मामलों में पूरे वर्ष दस से पंद्रह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह सिद्ध करता है कि प्रदूषण का दुष्प्रभाव मौसमी नहीं, स्थायी है। इसके साथ ही यह अर्थव्यवस्था को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। विश्व बैंक की 2023 की रिपोर्ट बताती है कि भारत को हर वर्ष वायु प्रदूषण के कारण सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक दशमांश से अधिक नुकसान होता है। कार्य दिवसों की हानि, स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि, उत्पादकता में कमी और चिकित्सा भार में बढ़ोतरी से देश की आर्थिक प्रगति प्रभावित होती है। यदि वायु प्रदूषण के स्रोतों की बात की जाए, तो परिवहन क्षेत्र इसका सबसे बड़ा कारण है। भारत में करोड़ों वाहन सड़कों पर हैं, जिनमें अधिकांश पेट्रोल या डीज़ल पर चलते हैं। पुराने ट्रक और बसें भारी मात्रा में धुआँ छोड़ती हैं। छोटे वाहनों की संख्या इतनी अधिक है कि उनके उत्सर्जन से हवा में नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। औद्योगिक क्षेत्र भी प्रदूषण में बड़ा योगदान देता है। कई छोटे और मध्यम उद्योग अभी तक स्वच्छ ईंधन का उपयोग नहीं करते। पुराने बॉयलर और कोयले पर आधारित संयंत्र सल्फर डाइऑक्साइड और धात्विक कण उत्सर्जित करते हैं। निर्माण कार्यों से उठने वाली धूल भी बड़े पैमाने पर प्रदूषण फैलाती है। सड़कों पर खुली मिट्टी, निर्माण सामग्री का खुले में ढेर, और बिना आवरण के ट्रकों द्वारा रेत और सीमेंट का परिवहन हवा में कण फैलाता है। इसी तरह, हर साल पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएँ उत्तर भारत के शहरों की हवा को जहरीला बना देती हैं। शोध बताते हैं कि पराली जलाने से दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण के स्तर में 30 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है। घरेलू ईंधन जैसे लकड़ी, कोयला या गोबर केक जलाने से भी खासकर गरीब परिवारों में प्रदूषण का स्तर बहुत बढ़ जाता है। कोयला आधारित बिजली संयंत्र अभी भी देश की ऊर्जा का लगभग साठ प्रतिशत हिस्सा देते हैं, और इनमें से कई पुराने संयंत्र प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के बिना चल रहे हैं। इन सभी स्रोतों पर नियंत्रण के लिए आवश्यक है कि नीति और शासन में दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाया जाए। केंद्र, राज्य और नगर निकायों के बीच समन्वय की कमी आज भी एक बड़ी बाधा है। कई शहरों में वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र तक नहीं हैं, जिससे वास्तविक आंकड़े उपलब्ध नहीं हो पाते। जन-जागरूकता का स्तर भी बेहद कम है। नागरिक प्रदूषण को केवल खराब वायु के दिनों से जोड़ते हैं, न कि इसे अपनी दैनिक जिम्मेदारी मानते हैं। जब तक समाज में यह चेतना नहीं आएगी कि स्वच्छ हवा सबकी साझी जिम्मेदारी है, तब तक किसी नीति का पूरा प्रभाव नहीं दिखेगा। भारत ने वर्ष

2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम शुरू किया, जिसका उद्देश्य 2026 तक प्रमुख शहरों में प्रदूषण के स्तर को 40 प्रतिशत तक घटाना है। यह एक सराहनीय पहल है, परंतु इसे केवल बजटीय घोषणा न बनाकर,सख्त निगरानी और स्थानीय क्रियान्वयन के साथ लागू करना होगा। हर शहर की भौगोलिक और औद्योगिक स्थिति अलग है,इसलिए एक समान नीति के बजाय शहर-विशिष्ट कार्ययोजना बनानी होगी। परिवहन क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेज़ी से बढ़ना होगा। सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहन, हाइड्रोजन ईंधन और सार्वजनिक परिवहन का प्रसार अनिवार्य है। दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहन नीति के बाद नए वाहनों में ईवी का हिस्सा सत्रह प्रतिशत तक पहुँच चुका है। यह दिखाता है कि यदि नीति स्पष्ट और प्रोत्साहन युक्त हो, तो नागरिक भी परिवर्तन को अपनाते हैं। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने से बचने के लिए किसानों को तकनीकी और आर्थिक सहयोग देना आवश्यक है। पुसा डीकंपोजर जैसी जैविक तकनीकें और हैप्पी सीडर मशीनें अच्छे परिणाम दे रही हैं, परंतु इनका व्यापक प्रचार और सब्सिडी प्रणाली मजबूत करनी होगी। फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित कर धान की जगह कम जल और कम अवशेष वाली फसलों को अपनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। औद्योगिक क्षेत्र में सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली को अनिवार्य किया जाना चाहिए। कोयला आधारित संयंत्रों में डीसल्फराइजेशन इकाइयाँ लगाना, और स्वच्छ ईंधनों जैसे एलएनजी या पीएनजी को बढ़ावा देना जरूरी है। साथ ही अक्षय ऊर्जा जैसे सौर और पवन स्रोतों की ओर तेज़ी से संक्रमण करना चाहिए ताकि 2030 तक भारत आधी ऊर्जा स्वच्छ स्रोतों से प्राप्त कर सके। शहरी नियोजन में हरित अवसंरचना का समावेश भी अत्यंत आवश्यक है। शहरों में हरित पट्टियाँ, छतों पर पौधारोपण, खुले मैदानों का संरक्षण, और सड़क सफाई की आधुनिक व्यवस्था अपनानी होगी। निर्माण स्थलों पर ढकाव और पानी का छिड़काव जैसे उपाय नियमित रूप से लागू किए जाने चाहिए। प्रशासनिक दृष्टि से भी सुधार जरूरी है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को अधिक अधिकार दिए जाने चाहिए ताकि राज्यों के बीच समन्वय और प्रवर्तन दोनों प्रभावी हो सकें। नागरिकों की भागीदारी के लिए स्कूलों, आवासीय संघों और स्थानीय समूहों में स्वच्छ हवा अभियान चलाना उपयोगी होगा। कार-फ्री दिवस, सार्वजनिक परिवहन सप्ताह और कचरा पृथक्करण जैसे उपाय नागरिक चेतना को बढ़ाते हैं। तकनीकी दृष्टि से, डेटा आधारित नीति निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना होगा। रियल टाइम निगरानी, उपग्रह आधारित ट्रैकिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग से प्रदूषण स्रोतों की पहचान और पूर्वानुमान किया जा सकता है।

इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक कंटेंट न देख पाये किशोर

डॉ. सत्यवान सौरभ

इंस्टाग्राम ने 18 वर्ष से कम उम्र के किशोरों को आपत्तिजनक कंटेंट से दूर रखने के लिए पीजी-13 आधारित फ़िल्टर प्रणाली लागू की है। इससे नाबालिग यूज़र्स हिंसक, यौन या मानसिक रूप से हानिकारक सामग्री नहीं देख पाएंगे। माता-पिता अब सीमित कंटेंट सेटिंग्स से बच्चों की गतिविधियों पर नज़र रख सकेंगे। यह कदम सोशल मीडिया पर किशोरों की सुरक्षा और मानसिक संतुलन की दिशा में एक बड़ी पहल है। यदि इसे गंभीरता से लागू किया गया, तो यह स्वस्थ और जिम्मेदार डिजिटल समाज के निर्माण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

डिजिटल युग में सोशल मीडिया आज जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। बच्चा हो या बड़ा, सबकी दिनचर्या का एक अहम समय इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर बीतता है। लेकिन जैसे-जैसे इस आभासी दुनिया की चमक बढ़ी है, वैसे-वैसे इससे जुड़े खतरे भी गहराते गए हैं। सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं किशोर, जिनकी सोच, मनोवृत्ति और व्यवहार अभी विकसित हो ही रहे हैं। सोशल मीडिया की चकाचौंध में खोए किशोरों के लिए यह प्लेटफॉर्म कभी-कभी सीख का माध्यम तो बनता है, परंतु कई बार यह मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक असंतुलन का कारण भी बन जाता है। इन्हीं चिंताओं को देखते हुए इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा ने एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने घोषणा की है कि अब 18 वर्ष से कम आयु के किशोर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आपत्तिजनक या अनुचित कंटेंट नहीं देख पाएंगे। यह फैसला केवल तकनीकी नहीं बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। किशोरावस्था वह समय है जब व्यक्ति का मन सबसे संवेदनशील होता है। इस उम्र में जो कुछ देखा, सुना और महसूस किया जाता है, वही आने वाले जीवन की दिशा तय करता है। सोशल मीडिया पर हिंसक, यौन संकेतक या अवसादपूर्ण सामग्री तक आसान पहुँच बच्चों को अनजाने में ऐसे रास्ते पर ले जाती है जहाँ से लौटना कठिन हो जाता है। आत्महत्या की प्रवृत्ति, अवसाद, असुरक्षा और आत्मसम्मान की कमी जैसी मानसिक समस्याएँ सोशल मीडिया की असंयमित दुनिया से गहराई तक जुड़ी हुई हैं। ऐसे में मेटा का यह निर्णय निश्चय ही एक जिम्मेदार पहल है। मेटा ने यह नीति ऐसे समय में बनाई है जब दुनिया भर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर बहस चल रही है। कई देशों की संसदों और अदालतों में सोशल मीडिया कंपनियों से यह पूछा गया कि वे नाबालिगों की मानसिक सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रही हैं। इंस्टाग्राम पर किशोरों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर कंपनी पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस से लेकर ब्रिटिश संसदीय समितियों तक में यह मुद्दा गूंज चुका है। मेटा के पूर्व कर्मचारियों ने भी यह खुलासा किया था कि इंस्टाग्राम का एल्गोरिद्म किशोरों को अधिक समय तक प्लेटफॉर्म से जोड़ने के लिए जानबूझकर ऐसे कंटेंट सुझाता है जो मानसिक रूप से अस्थिर कर सकता है। आलोचनाओं के बाद कंपनी ने 'पैरेंटल सुपरविजन टूल्स' शुरू किए थे, लेकिन वे सीमित थे। अब कंपनी ने इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए पीजी-13 आधारित कंटेंट फ़िल्टरिंग सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया है। इस नई व्यवस्था के तहत माता-पिता को यह अधिकार होगा कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रख सकें। 18 वर्ष से कम आयु के यूजर्स को इंस्टाग्राम पर वह सामग्री स्वतः ही नहीं दिखाई देगी जो हिंसक, यौन या आत्मघाती प्रवृत्ति वाली हो। यह प्रणाली फ़िल्टर के माध्यम से काम करेगी जो हॉलीवुड फिल्मों की पीजी-13 रेटिंग प्रणाली की तरह होगी। जैसे किसी फिल्म को यह रेटिंग तब दी जाती है जब वह 13 वर्ष से ऊपर के बच्चों के लिए उपयुक्त मानी जाती है, वैसे ही अब इंस्टाग्राम पर भी कंटेंट की उपयुक्तता उसी मानक से तय की जाएगी। कंपनी का दावा है कि यह फीचर पहले अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में लागू होगा और वर्ष के अंत तक भारत सहित दुनिया भर में लागू कर दिया जाएगा। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत सोशल मीडिया यूजर्स के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में है। लाखों किशोर रोजाना इंस्टाग्राम पर सक्रिय हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे सेल्फी पोस्ट करने, रील्स बनाने और लाइक्स पाने की दौड़ में इतने उलझ गए हैं कि वास्तविक जीवन की संवेदनाएं और प्राथमिकताएं पीछे छूटती जा रही हैं। किशोरों का आत्ममूल्य अब इस बात से तय होने लगा है कि उन्हें कितने फॉलोअर्स मिले, कितने लोगों ने उनकी पोस्ट को पसंद किया। यह सामाजिक स्वीकृति का नया और खतरनाक रूप है। जब किसी पोस्ट पर अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो किशोर आत्मग्लानि और अवसाद में डूबने लगते हैं। कई बार इसी निराशा में वे आत्मघाती कदम तक उठा लेते हैं। ऐसे में अगर इंस्टाग्राम किशोरों को आपत्तिजनक सामग्री से दूर रख सके तो यह उनके मानसिक संतुलन और भावनात्मक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। माता-पिता भी इस कदम से राहत महसूस करेंगे। अब उन्हें यह डर नहीं रहेगा कि उनका बच्चा गलती से किसी गलत दिशा में जा रहा है या अश्लील सामग्री के प्रभाव में आ रहा है। सीमित कंटेंट सेटिंग्स के ज़रिए वे यह तय कर पाएंगे कि उनके बच्चे को क्या दिखना चाहिए और क्या नहीं। इससे पारिवारिक संवाद भी बेहतर होगा क्योंकि अभिभावक अब निगरानी के साथ-साथ मार्गदर्शन की भूमिका निभा सकेंगे। बच्चों को भी यह एहसास होगा कि सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल करने का प्लेटफॉर्म है। फिर भी यह नीति तभी सफल होगी जब तकनीकी सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी बढ़े। केवल फिल्टर लगाने से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। बच्चे हमेशा तकनीक से एक कदम आगे रहते हैं। वे प्रतिबंधों को पार करने के तरीके खोज लेते हैं। इसलिए आवश्यक है कि स्कूलों, परिवारों और समाज में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया जाए। बच्चों को यह समझाया जाए कि क्या सही है, क्या गलत है और क्यों कुछ चीज़ें सीमित की जा रही हैं।

इस तरह के विश्व रिकॉर्ड्स का क्या किया जाए

एड. संजय पांडे

उत्तर प्रदेश में दीपोत्सव की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी, जब केवल 1.71 लाख दीये जलाए गए थे। तब से हर वर्ष यह आयोजन और भव्य होता गया है, और 2025 में इसकी संख्या बढ़कर 26.17 लाख तक पहुंच गई। अयोध्या में इस वर्ष दीपोत्सव 2025 में राम की पैड़ी और सरयू नदी के तटों पर करीब 26,17,215 दीये एक साथ जलाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। यह आयोजन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा प्रमाणित किए जाने की प्रक्रिया में है। इस अवसर पर 2,128 श्रद्धालुओं ने एकसाथ आरती और दीये-प्रज्वलन का समवर्ती अनुष्ठान किया, जो एक अलग रिकॉर्ड के रूप में दर्ज हुआ। कार्यक्रम में लगभग 33,000 स्वयंसेवक और हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। भाजपा सरकार के अनुसार दीपोत्सव का उद्देश्य अयोध्या को एक वैश्विक धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में प्रस्तुत करना है। ड्रोन शो, लेजर लाइटिंग, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और तकनीकी प्रदर्शनों के साथ नव-अयोध्या, धार्मिक पर्यटन और संस्कृति-विकास के प्रतीक के रूप में अयोध्या की ब्रांडिंग करके स्थानीय अर्थव्यवस्था और सेवा क्षेत्र को लाभ मिलने का दावा किया जा रहा है। जिससे पर्यटन-उद्योग, होटल-अकॉमोडेशन, स्थानीय सेवा-उद्योग को बल मिलने, अयोध्या में रियल इस्टेट की कीमतें कई गुना बढ़ने कुम्हार-परिवारों और हस्तशिल्प कारीगरों को रोजगार और आय का स्रोत मिलने का दावा शामिल है। लेकिन इसी सिक्के का दूसरा पहलू भी है। टीका टिप्पणी को हवा ना मिले इसके लिए पिछले ढेरों सालों से हो रहे अयोध्या के दीपोत्सव के संबंध में कुछ बजट आबंटन या खर्च-संबंधी जानकारी पूरी तरह से वर्ष-वार स्पष्ट व विस्तृत आंकड़े सार्वजनिक नहीं हैं। तो क्या यूपी सरकार के पास इस क्षेत्र में उपलब्धि वाकई सराही जाने योग्य है? क्या करदाताओं के पैसों से और सरकारी खर्चों से किये जा रहे ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देने से उत्तर प्रदेश की समस्याएं हल हो सकती हैं? ऐसे सवाल उठ रहे हैं। ऐसे अजीब रिकॉर्ड्स का यूपी करेगा क्या? इन आयोजनों पर कितना खर्च हो रहा है और अयोध्या शहर को हुआ फायदा क्या यूपी को भी हो रहा है ऐसे कई सवाल बरकरार हैं। एक तरफ ऐसे आयोजनों पर बेशुमार खर्च करके किसी तरह के रिकॉर्ड बनाना और अपनी असली हकीकत से मुँह छुपाना ये अपने आप मे विरोधाभास है. उत्तर प्रदेश भारत का एक ऐसा राज्य है, जो अपनी विशाल क्षमता के बावजूद गरीबी, कम साक्षरता, खराब स्वास्थ्य, और कमजोर बुनियादी ढांचे के कारण पिछड़ा हुआ है।

यह न केवल भारत के अन्य राज्यों से, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी कई विकासशील देशों से पीछे है। ऐसे में बजट और संसाधनों का बड़ा हिस्सा ऐसे आयोजनों में व्यय होता है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय विकास जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर ध्यान कम हो सकता है। रिकॉर्ड बनाने की प्रवृत्ति कहीं विकास की प्राथमिकताओं को पीछे न छोड़ दे, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश (यूपी), भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य, अपनी विशाल जनसंख्या (लगभग 24 करोड़) के कारण वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान या ब्राजील से तुलनीय है। लेकिन सामाजिक,आर्थिक और पर्यावरणीय संकेतकों में यह भारत और दुनिया के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में गिना जाता है।

कविता

मोनिका डागा आनंद
चेन्नई,तमिलनाडु

गृहलक्ष्मी

गृहलक्ष्मी को पूर्ण परिभाषित
करना नहीं है इतना भी सरल,
उसका पद,महत्व और सहभागिता
जीवन में सबके है अविरल,
माता,बहन,पत्नी, बेटी और
बहू हर रंग रूप उसमें हैं समाया,
वसुंधरा पर वो ईश्वर की भेजी हुई
एक सकारात्मक प्रति छाया।

सत्य संकल्प लेकर करती है
वो अपरिचित सृष्टि में पदार्पण,
मुस्कुराहटों में गम छिपा करती
जीवन के प्रतिपल को अर्पण,
निर्मल निश्छल मन उसका
सहमी-सहमी वो हृदय की भावुक,
समय चक्र के फेरे में हो जाती
परिपक्व कुसुमित कली नाजुक।

पीहर और ससुराल पक्ष से जोड़े
रखें वो प्रेम का अनूठा सम्बन्ध,
स्नेह उसका समरस पारदर्शी भावों
की बिखरी भीनी सी सुगंध,
निभाती निःसंकोच तटस्थ वो
आखिरी श्वांस स्पंदन तक वादा,
समझने वाला उसे हो कोई ढूंढती
जीवन पर्यन्त ऐसा मन वो सादा।

किस्मत की टेढ़ी-मेढ़ी लकीरों
से शिकायत कभी भी न करती,
परिवार में नव चेतना आनंद सृजन
नव रस वो नित ही भरती,
घर को स्वर्ग बनाती खन-खन
बजती उसकी रंग बिरंगी चूड़ियाँ,
त्योहारों की रौनक उससे सजती
इन्द्रधनुषी ख्वाबों की दुनिया।

ममत्व,त्याग,तप,साहस और
सरस समर्पण उसका हैं बेजोड़,
शक्ति वो नव बीज को चैतन्य कर
लक्ष्य की ओर देती हैं मोड़,
प्रेम माला में एक सूत्र में पिरोती
वो परिवार के नगीने चमकीले,
उसने समझे और करें ताल-मेल
स्वर सप्तक सुरलय सुरीले।

संघर्षों को नजरंदाज कर हम
मृदुभाषिणी को कर देते हैं मूक,
मान गृहलक्ष्मी का प्रथम करना
होगा मगर कर बैठते हैं हम चूक,
लक्ष्मी की चाहत हैं रखते और
जाने-अंजाने में कर देते बड़ी भूल,
गृहलक्ष्मी को आदर न दे, महत्वहीन
बता बोते हैं जीवन में शूल।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

चौकी रघुनाथपुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त कार्यवाही

चोरी के मामले का आरोपी गिरफ्तार

32 हजार का मशरुका बरामद....

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मामले के संबंध में बताया गया कि प्रार्थी राज कुमार सिंह साकिन बलीगढ़ टोला दासीपुर थाना केतार जिला गढ़वा झारखण्ड हा. मु. ग्राम सिलसिला मां कुदरगढ़ी मिनरल्स एण्ड रिफेक्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड चौकी रघुनाथपुर थाना लुण्ड्रा का चौकी रघुनाथपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि ग्राम सिलसिला स्थित मां कुदरगढी मिनरल्स एण्ड रिफेक्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड में मां चर्तुभूजी कंस्ट्रक्शन की ओर से ठेकेदारी का काम लगभग तीन वर्षों से कर रहा है कि दिनांक 16/10/25 के शाम लगभग 8.10 बजे प्रार्थी अपने कर्मचारियों के साथ काम खत्म करके प्लांट में स्थित स्टोर रूम मे सामान जमा कर स्टोर रूम को ताला मारकर अपने निवास बतौली चला गया था स्टोर रूम का चाभी उसके कर्मचारी लोग रखते थे कि दिनांक 17/10/25 को रोज की भांती प्रातः 08.10 बजे इसके कर्मचारी लोग काम पर प्लांट में पहुंचे तो स्टोर रूम में चोरी होने की सूचना कर्मचारी रजनीश सिंह के द्वारा प्रार्थी को फोन से बताए कि स्टोर रूम मे चोरी हो गया है तब सूचना पाकर प्रार्थी अपने कर्मचारियों के साथ जाकर स्टोर रूम मे देखा कि स्टोर रूम का

पिछले हिस्से का सिट तोड़कर स्टोर रूम में घुसकर स्टोर रूम में रखे वेल्डिंग मशीन किमती 24500/- रुपये कटर मशीन किमती 7500/- रुपये एवं कॉपर केबल लगभग 120 मीटर किमती 37500/- कुल किमती 69500/-रुपये का सामान कोई अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध चौकी रघुनाथपुर थाना लुन्ड्रा मे अपराध क्रमांक 211/25 धारा 331(4), 305(क) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान जांच विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले के आरोपियों का पता तलाश किया जा रहा था, दौरान पता तलाश जरिए मुखबीर सूचना प्राप्त हुआ कि सूरज पैकरा अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर घटना कारित किया है, कि सूचना पर पतासाजी कर मिलने पर प्रकरण के आरोपी सूरज पैकरा को हिरासत में लेकर पूछताछ किये जाने पर अपना नाम सूरज पैकरा आत्मज जीवित राम पैकरा उम्र 27 वर्ष साकिन सिलसिला चौकी रघुनाथपुर थाना लुन्ड्रा का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे हिकमत अमली से पुछताछ करने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार करते हुए अपने साथी के साथ मिलकर सुनियोजित तरिके से योजना तैयार कर प्लांट से वेल्डिंग मशीन,कटर मशीन, कॉपर केबल तार चोरी करना एवं कॉपर तार को बेचकर रूपये को आधा-आधा बांट लेना तथा रूपये को खर्च कर देना बताया है, एवं गिरफ्तार आरोपी के पेश करने पर चोरी गई वेल्डिंग मशीन, कटर मशीन गवाहों के समक्ष जप्ती किया गया। प्रकरण में आरोपियों के कृत्य से धारा 61 (1) (क) बी.एन.एस. जोड़ी गई है। गिरफ्तार आरोपी अपराधिक प्रवृति का है प्रकरण मे शामिल एक अन्य आरोपी फरार है, फरार आरोपी का पता तलाश किया जा रहा है, आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायगा। ? सम्पूर्ण कार्यवाही मे चौकी प्रभारी रघुनाथपुर उप निरीक्षक दिलीप दुबे, प्रधान आरक्षक दीनानाथ भारती, प्रधान आरक्षक चंद्रभूषण तिवारी, आरक्षक उमेश खुटिया, इदरीश खान, अविनाश विश्वास, दिनेश मिंज सक्रिय रहे।

नि:संतान दंपति की खून से लतपथ घर में मिली लाश

किसी ठोस वस्तु से दोनों के सिर पर मारे जाने की आशंका,दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हरता की घटना,घर से 7 नग बकरियां भी चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हरता में गुरुवार की सुबह नि:संतान दंपति की लाश घर के परछी में पड़ी मिली। दोनों की लाश खून से सनी हुई जमीन पर पड़ी थी। घर से 7 नग बकरियां के चोरी होने की बात कही जा रही है। सूचना पर पहुंची दरिमा पुलिस व फॉरेंसिक की टीम ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस हत्यारों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रीमा राम उम्र 52 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हरता घाघीपारा का रहने वाला था। वह पत्नी उर्मिला उम्र 50 वर्ष के साथ रहता था।

इनके कोई संतान नहीं थे। रीमा राम खेती किसानी व बकरी पालन करता था। 22 अक्टूबर की रात दंपति घर की परछी में जमीन पर बिस्तर लगाकर सोए थे। गुरुवार सुबह गांव का ही एक व्यक्ति उन्हें काम के सिलसिले में बुलाने पहुंचा तो घर का दरवाजा बाहर से बंद था। उसने रीमा व उर्मिला के बारे में आसपास के लोगों से पूछा पर किसी ने कुछ नहीं बताया। काफी समय बीतने के बाद भी दोनों का कोई पता नहीं चला तो लोगों ने दरवाजे को खोलकर अंदर देखा तो

जमीन पर दोनों की लाश खून से लतपथ पड़ी मिली। लोगों ने घटना की जानकारी रीमा राम के भाई दुहन राम को दी। जो मृतक के घर से करीब 400 मीटर दूर रहता है। सूचना पर वह तत्काल अपने भाई के घर पहुंचा।

इसके बाद उसने दरिमा पुलिस को सूचना दी। सूचना पर दरिमा थाना प्रभारी राजेश खलखो टीम के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। इसके बाद फॉरेंसिक टीम को भी बुलाकर जांच कराया गया। थाना प्रभारी का कहना है कि दंपति के सिर पर किसी ठोस वस्तु से मारे जाने के निशान है। दोनों के सिर में गंभीर चोट लगने और अत्यधिक रक्त स्राव हो जाने से मौत हुई है।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

दंपति खेती किसानी के अलावा घर में ही बकरी पालन करते थे। कुल 12 बकरा-बकरी थे। जिसमें 7 बकरियां गायब है। बकरियों के गले में घंटी भी बंधी थी जिसे चोर ने निकालकर बकरियों को चोरी कर ले गई है। आशंका है कि बकरी चोरी करने आए लोगों ने ही दंपति की हत्या की है। पुलिस चोरी की आशंका के साथ-साथ अन्य आशंकाओं पर जांच कर रही है।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार..

थाना लखनपुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई कार्यवाही

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मामले के संबंध में बताया गया कि पीड़िता दिनांक 12/10/25 को थाना लखनपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि बदगरी थाना लखनपुर निवासी लाल दास पीड़िता कों शादी करने का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया है,और अब शादी करने से इंकार कर रहा है, पीड़िता के रिपोर्ट पर थाना लखनपुर मे आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 245/25 धारा 69 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी का पता तलाश कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम लाल दास आत्मज अधीन दास उम्र 20 वर्ष साकिन बदगरी थाना लखनपुर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, सहायक उप निरीक्षक निर्मला कश्यप, आरक्षक राकेश एक्का, जगेश्वर बघेल, शिव राजवाड़े सक्रिय रहे।

सेवा भावी बहनों ने जरूरतमंद बच्चों को बांटे नए कपड़े और मिठाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

दिवाली का त्योहार इस बार शहर के सेवाभावी बहनों के लिए और भी खास बन गया। विगत कई वर्षों से शहर में सामाजिक सरोकार के तहत खुशी के इस पल को जरूरतमंदों के साथ बांटने का सिलसिला जारी है। इस बार भी मातृछाया,बालसंप्रेक्षण गृह,विशेष बालक गृह,गांव और आसपास के क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को नए कपड़े,फटाके और मिठाई बांटी गई। इस सेवा कार्य में शहर की कई प्रमुख बहनों ने हिस्सा लिया, जिनमें डॉ. पुष्पा सोनी, शारदा अग्रवाल, वंदना दत्ता, नीलिमा गोयल, लिली बसु, इला शर्मा, अंजुम शमीम, सीता शर्मा, रत्ना श्रीवास्तव, पूनम जायसवाल, नुजहत फातिमा, संजीता स्वर्णकार, आशा गुप्ता, विमला यादव, सिम्मी छाबड़ा, ज्योति चोपड़ा, विक्की कथूर, नमिता चावला, सपना चोपड़ा, किरण भाटिया, सुनीता चोपड़ा, अनुभा डबराल, रीना पॉल, रीता चोपड़ा प्रमुख रूप से शामिल थीं। मुकेश अग्रवाल ने इस कार्य में फटाके देकर योगदान दिया, वहीं पंचशील और जायसवाल होटल से मिठाई भी वितरित की गई। इस बार 100 बच्चों को नए कपड़े पहनाए गए और उनके चेहरे पर आई खुशी ने इस सेवा कार्य को और भी यादगार बना दिया। इस तरह से, सेवा भावी बहनों और उनके साथी सदस्यों ने दिवाली के इस खास मौके पर जरूरतमंदों के जीवन में खुशियों के रंग भरने की कोशिश की।

35 नग नशीले इंजेक्शन के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

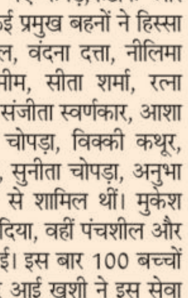

आबकारी उडऩदस्ता टीम ने गुरुवार को लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम पार्वतीपुर निवासी शैलेष पैकरा के घर छापेमारी कर 35 नग नशीले इंजेक्शन जब्त किया है। टीम ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। संभागीय आबकारी उडऩदस्ता संभाग सरगुजा की टीम गुरुवार को लुण्ड्रा क्षेत्र में गस्त कर रही थी तभी मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई की लुण्ड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत पार्वतीपुर में शैलेष पैकरा नामक व्यक्ति अपने घर से प्रतिबंधित इंजेक्शन बेच रहा है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने तत्काल उडऩदस्ता टीम के साथ शैलेष पैकरा के घर दबिश दी, घर की तलाशी लेने पर एक अलमीरा में एक थैले से 35 नग नशीले इंजेक्शन बरामद किया। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 सी के तहत गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में मुख्य आरक्षक कुमारु राम, रमेश दुबे अशोक सोनी नगर सैनिक गणेश पांडेय, ओम प्रकाश गुप्ता एवं महिला सैनिक राजकुमारी सिंह एवं अंजू एक्का शामिल रहे।

सत्य आखिर सामने आ ही गया : राहुल गोयल को भयादोहन कर करोड़ो की वसूली करने का प्रयास करने वाले की पुलिस को तलाश

न्यायालय ने अग्रिम जमानत की खारिज,राउरकेला निवासी पंकज अग्रवाल की सरगुजा पुलिस कर रही है तलाश

- **न्यायालय ने जारी किया है गिरफ्तारी वारंट...**
- **न्यायालय द्वारा पंकज अग्रवाल को भगोड़ा घोषित की कार्यवाही पूर्व में ही कर दिया गया...**
- **न्यायालय द्वारा पंकज अग्रवाल की संपति कुर्क की भी कार्यवाही की प्रक्रिया प्रारंभ कर चुकी है...**

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मामला पूर्व में साज़िश कर राहुल गोयल , के के अग्रवाल को झूठे मुकदमे में फँसाने वाले राउरकेला निवासी पंकज अग्रवाल की असलियत अब सबके सामने उजागर हो चुकी है। करोड़ों रुपए की हेराफेरी के मामले में न्यायालय द्वारा आपराधिक परिवाद क्रमांक 787/2023 राहुल गोयल

प्रति पंकज अग्रवाल में न्यायालय श्री गिरवर सिंह राजपूत न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंबिकापुर के न्यायालय द्वारा दिनांक 15/10/25 को गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए थाना प्रभारी उदितनगर जिला सुंदरगढ़ उड़ीसा को पत्र भेजकर पंकज अग्रवाल को गिरफ्तार कर दिनांक 11/11/2025को न्यायालय में हाजिर

करने का आदेश दिया है इसके अलावा न्यायालय द्वारा पुलिस अधीक्षक सरगुजा एवम् पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा को भी ज्ञापन जारी कर उपरोक्त परिवाद में आरोपी पंकज अग्रवाल को गिरफ्तार कर दिनांक 11/11/25 को न्यायालय में हाजिर करने का आदेश दिया है जिसके तहत कानूनी रूप से भगोड़ा घोषित पंकज अग्रवाल की

तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। 14 अक्टूबर 2025 को उसकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो जाने के बाद, पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की। उसके तुरंत बाद से ही पंकज अग्रवाल ने अपने सभी मोबाइल फ़ोन बंद कर दिया...16 अक्टूबर शाम 6 बजे से उसका कोई पता नहीं। 17 अक्टूबर की रात पुलिस टीम राउरकेला के लिए रवाना हुई और 18 अक्टूबर को पूरे दिन सघन सर्च अभियान चलाया गया। दोपहर करीब 2 बजे पुलिस टीम ने सर्च वारंट के साथ उसके घर पर दबिश दी...लगभग 3 घंटे तक तलाशी अभियान चला। यह सब देखकर आसपास की पूरी कॉलोनी में भारी भीड़ जुट गई। जब लोगों ने पुलिस से पूछताछ की तो टीम ने स्पष्ट कहा कि पंकज अग्रवाल सैकड़ों करोड़ रुपए की बड़ी आर्थिक धोखाधड़ी का मुख्य आरोपी है और इसी सिलसिले में उसकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। पंकज अग्रवाल ने राहुल गोयल और केके अग्रवाल को झूठे मुकदमे में फँसाने की साज़िश रची थी, आज वही पंकज अग्रवाल स्वयं कानून के शिकंजे से बचता फिर रहा है। सच्चाई अब सबके सामने है...जिसने फरेब का जाल बुना था, वही अब उस जाल में उलझ चुका है। उड़ीसा पुलिस के अलावा सरगुजा पुलिस भी पंकज अग्रवाल की तलाश जारी रखी है और अब बहुत जल्द पंकज अग्रवाल कानून के शिकंजे में होगा।

अंबिकापुरवासियों को दिवाली के बाद बड़ी सौगात,एनएच-43 पर बिछेगा नई सड़कों का जाल, 44.82 करोड़ की मंजूरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

भविष्य में शहरवासियों को बड़ी राहत मिलने कि उम्मीद जगी है। केंद्र सरकार ने शहर की जर्जर सड़कों को दुरुस्त करने के लिए 44.82 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। इस राशि से राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के अंबिकापुर और सीतापुर खंड में सड़कों के उन्नयन और जलमग्न स्थानों के सुधार का काम किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, वार्षिक योजना 2025-26 के तहत यह कार्य स्वीकृत हुआ है। इसमें अंबिकापुर शहर के किमी 375.600 से 385.700 और सीतापुर शहर के किमी 433.850 से 437.670 तक की सड़कें शामिल हैं। लंबे समय से इन सड़कों की खराब हालत के कारण हादसे बढ़ रहे थे। अब मरम्मत और उन्नयन कार्य से लोगों को राहत मिलेगी।

3 महीने में परियोजना की प्रगति रिपोर्ट भारत सरकार को भेजना अनिवार्य : लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को भेजे गए पत्र के अनुसार, संबंधित कार्यपालक अभियंता को हर तीन महीने में परियोजना की प्रगति रिपोर्ट भारत सरकार को भेजनी होगी। वहीं परियोजना की लागत या समय सीमा में बदलाव की स्थिति में तत्काल संशोधित अनुमान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

तय अवधि में कार्य पूरा करने के निर्देश : क्षेत्रीय अधिकारी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, रायपुर को इस परियोजना का आहरण एवं संवितरण अधिकारी बनाया गया है। तय अवधि में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा तकनीकी व वित्तीय स्वीकृति स्वतः समाप्त हो जाएगी। इस सड़क सौगात से अंबिकापुर और आसपास के लोगों को अब गड्ढों से निजात मिलेगी और आवागमन सुगम होगा।

पुलिस ने हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी को चंद घंटों में गिरफ्तार में किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
बलरामपुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर पुलिस ने आपसी वाद-विवाद में हत्या का प्रयास करने वाला आरोपी को घटना के चंद घंटे की भीतर पुलिस ने किया गिरफ्तार। थाना बलरामपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम डुमरखी निवासी आरोपी प्रदीप पैकरा पिता स्व. गंगा प्रसाद पैकरा उम्र 60 वर्ष जिला बलरामपुर-रामानुजगंज को किया गिरफ्तार। जानकारी के अनुसार दिनांक 22/10/2025 को थाना बलरामपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम डुमरखी में अनिल यादव और प्रदीप पैकरा के बीच वाद विवाद होने के दौरान प्रदीप पैकरा के द्वारा अनिल यादव को जान से मारने की नियत से धारदार हथियार से अनिल यादव के ऊपर प्राणघातक वार कर दिया जिससे अनिल यादव के सीने एवं अन्य हिस्से में गंभीर चोटे आने से उसे इलाज के लिए जिला

चिकित्सालय बलरामपुर ले जाया गया, प्राथमिक उपचार बाद बेहतर इलाज के लिए घायल अनिल यादव को अंबिकापुर रिफर किया गया है।

घटना के बाद आरोपी प्रदीप पैकरा मैके से फरार हो गया था जिसे ग्रामीणों के सहयोग से पूरी रात बलरामपुर पुलिस के द्वारा छापेमार कार्यवाही कर आज सुबह पकड़कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। उक्त घटना पर बलरामपुर थाना में अपराध क्रमांक 147/2025 धारा 109 बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री अग्रवाल ने छठ घाटों का निरीक्षण कर छठ महापर्व की तैयारियों का लिया जायज़ा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

आगामी छठ महापर्व के मद्देनज़र पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शंकरघाट और गोधनपुर स्थित घाटों पर चल रही तैयारियों का बारीकी से जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री अग्रवाल ने अधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों से घाटों की साफ़-सफ़ाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय तथा यातायात प्रबंधन जैसी आवश्यक सुविधाओं से जुड़ी तैयारियों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएँ। श्री अग्रवाल ने कहा कि छठ पूजा जन-आस्था का पवित्र पर्व है, जिसमें लाखों श्रद्धालु सूर्य उपासना के माध्यम से परिवार और समाज के कल्याण की कामना करते हैं। इसलिए सरकार की प्राथमिकता है कि इस पर्व का आयोजन स्वच्छ,सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हो। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएँ, ताकि रात्रि में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। साथ ही जलस्तर और सुरक्षा की दृष्टि से निगरानी दल तैनात किए जाने को भी कहा गया।

श्री अग्रवाल ने कहा कि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें ताकि अंबिकापुर में छठ पर्व उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के साथ सम्पन्न हो और श्रद्धालु निर्बाध रूप से पूजा-अर्चना कर सकें।

फसल विविधीकरण एवं जैविक खेती की दिशा में किसानों को मिला नया मार्गदर्शन

मंत्री,सांसद एवं विधायक ने जैविक खेती अपनाने किसानों को किया प्रेरित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
कृषि विज्ञान केन्द्र अजिरम अम्बिकापुर में आज जिला स्तरीय किसान मेले का आयोजन किया गया। मेले में कृषि विभाग,उद्यानिकी विभाग, पशुधन विकास विभाग एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं नवीन तकनीकों की जानकारी हेतु स्टॉल लगाए गए, जिनका जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में किसानों ने अवलोकन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन, संस्कृति,धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज, लूण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती राधा रवि, श्रीमती नानमनी पैकरा, कृषि स्वामित्व समिति की अध्यक्ष श्रीमती दिव्या सिंह सिसौदिया, पूर्व हस्तशिल्प बोर्ड अध्यक्ष श्री अनिल सिंह मेजर, कृषि मंत्री के प्रतिनिधि श्री रवीन्द्र तिवारी, निगम पार्षद श्री कमलेश तिवारी, कलेक्टर श्री विलास भोसकर तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जिले के कृषकगण उपस्थित रहे।

कृषि वैज्ञानिकों ने मेले में फसल विविधीकरण के महत्व पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि पारंपरिक धान की खेती की तुलना में गन्ना, सब्जी एवं उद्यानिकी फसलों से किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो सकता है। वैज्ञानिकों ने उदाहरण देते हुए बताया कि जहां धान की खेती में एक रुपए की लागत पर लगभग 50 पैसे का लाभ मिलता है, वहीं गन्ने की खेती में एक रुपए की लागत पर 75 पैसे का लाभ प्राप्त होता है। वहीं शासन द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि श्री राजेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि अब सीधे ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे किसानों को बैंक के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने, रासायनिक खादों के अत्यधिक प्रयोग से बचने और मृदा की पोषकता बनाए रखने पर किसानों से आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि पशुधन विकास विभाग के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम को गति दी जा रही है, जिससे 90 प्रतिशत बछिया प्राप्त होने की संभावना बढ़ी है। उन्होंने मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी किसानों को प्रेरित किया गया। सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करने और जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया। लूण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि किसान मेला किसानों के लिए नवाचार एवं तकनीकी ज्ञान का मंच है। यहां विभिन्न विभागों द्वारा अपनी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, जिससे किसानों को खेती-बाड़ी में आधुनिक तकनीक अपनाने का अवसर मिलेगा।

ज्वेलरी दुकान में चोरों का धावा : 5 लाख की चोरी, चोर सीसीटीवी में हुए कैद

-संवाददाता-
सूरजपुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
नगर के भैयाथान रोड स्थित श्री विनायक ज्वेलर्स में बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलते हुए करीब 5 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण उड़ा लिए। चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया और बड़ी सफाई से वारदात को अंजाम दिया। सुबह जब दुकान संचालक मनोज सोनी दुकान पहुंचे तो शटर टूटा देख हक्का-बक्का रह गए। जांच करने पर पता चला कि दुकान से करीब 1 किलो पुराना चांदी, 2 किलो नया चांदी, 11 ग्राम सोना और कुछ फैंसी ज्वेलरी आइटम गायब हैं। वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसमें चार अज्ञात चोर चेहरे पर कपड़ा बांधे दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में एक चोर दुकान के बाहर निगरानी करते हुए दिख रहा है, जबकि बाकी तीन अंदर आभूषण समेटते नजर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जब्त कर चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इस घटना से नगर के ज्वेलर्स संचालकों में हड़कंप मच गया है। व्यापारी वर्ग का कहना है कि लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने रात्रि गश्त की पोल खोल दी है, क्योंकि यह दुकान मुख्य मार्ग पर स्थित है, फिर भी चोरों ने निडर होकर बड़ी वारदात को अंजाम दिया।

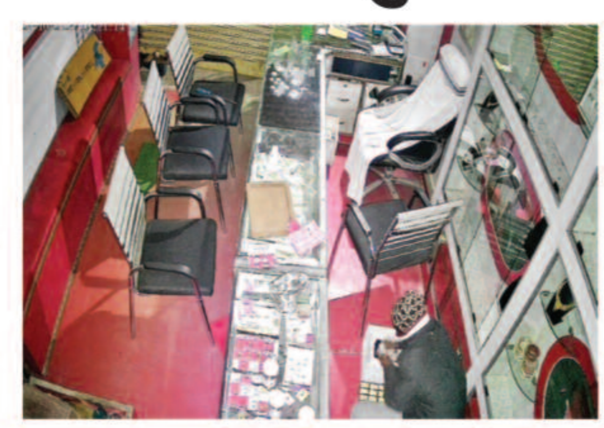

व्यापार समाचार

जोरदार शुरुआत के बाद मुनाफा वसूली के जाल में फंसा शेयर बाजार,मामूली बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। घरेलू शेयर बाजार ने गुरूवार को शानदार शुरुआत करने के बाद दिन के दूसरे सत्र में हुई मुनाफा वसूली के कारण मामूली बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया। गुरूवार को के कारोबार की शुरुआत जोरदार तेजी के साथ हुई थी। 30 सितंबर 2024 के बाद गुरूवार को पहली बार सेंसेक्स 85,000 अंक और निफ्टी 26,000 अंक के ऊपर खुलने में सफल रहे। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से इन दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दिन के दूसरे सत्र में बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। गुरूवार को दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी और टेक सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके अलावा मेटल,एफएमसीजी और बैंकिंग इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर,ऑयल एंड गैस, इंफ्रास्ट्रक्चर और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा ऑटोमोबाइल,कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी गुरूवार को बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ गुरूवार को कारोबार का अंत किया। गुरूवार को शेयर बाजार की मजबूत क्लोजिंग के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन गुरूवार को कारोबार के बाद घट कर 470.28 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि दिवाली की मुहूर्त ट्रेडिंग के बाद इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 470.89 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को गुरूवार को कारोबार से करीब 61 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

गुरूवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,389 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,852 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,409 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 128 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में गुरूवार को 2,847 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,196 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,651 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स गुरूवार को 727.81 अंक की मजबूती के साथ 85 हजार अंक के स्तर को पार करके 85,154.15 अंक के स्तर पर खुला?। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 863.72 अंक की तेजी के साथ 85,290.06 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

दिन के दूसरे सत्र में बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। खासकर, कारोबार के आखिरी घंटे में हुई जोरदार बिकवाली की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 850 अंक टूट कर 84,445.25 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से थोड़ा सुधर कर 130.06 अंक की बढ़त के साथ 84,556.40 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने गुरूवार को 188.60 अंक की छलांग लगा कर 26,057.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ये सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से 235.60 अंक की तेजी के साथ 26,104.20 अंक तक पहुंच गया। दोपहर 1 बजे तक निफ्टी मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण गुरूवार को कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 240 अंक से अधिक लुढ़क कर 6.15 अंक की कमजोरी के साथ 25,862.45 अंक तक गिर गया। हालांकि आखिरी वक्त में दिन के सौदों के निपटारे की वजह से हुई खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से रिकवरी करके 22.80 अंक की मजबूती के साथ 25,891.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। गुरूवार को दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस 3.81 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 2.55 प्रतिशत, टीसीएस 2.21 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.07 प्रतिशत और एक्सिस बैंक 1.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ गुरूवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एटरनल 2.88 प्रतिशत, इंटरग्लोब एविएशन 2.10 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 1.91 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.74 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 1.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ गुरूवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

रिपोर्ट का दावा : आयात कम करने के दबाव के बीच रूस की हिस्सेदारी घटने से भारत की कच्चे तेल की लागत बढ़ी

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। वित्त वर्ष 2026 में अब तक दुबई बेंचमार्क की तुलना में भारत की औसत कच्चे तेल की आयात लागत में तेजी से वृद्धि हुई है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने अपनी ताजा रिपोर्ट में यह बात कही है। ब्रोकरेज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के तेल बास्केट में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार वैकल्पिक कच्चे तेल के अधिक महंगा होने के कारण प्रीमियम भी ऊंचा रह सकता है और रिफाइनरों की लागत पर असर पड़ सकता है। कोटक के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में भारत की औसत तेल आयात लागत दुबई क्रूड की तुलना में लगभग 5 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल अधिक है। यह लागत हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। रिपोर्ट में इस इजाफे का कारण रूसी तेल का सस्ता होना,अन्य देशों से तेल का आयात महंगा होना, वेनेजुएल से कम तेल आयात अमेरिका से अधिक तेल का आयात है। कोटक ने वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारत के कच्चे तेल के आयात में रूस की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2026 में अब तक घटकर 34 प्रतिशत (वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2025 में 36 प्रतिशत) रह गई है। हालांकि अब भी भारत सबसे अधिक तेल रूस से खरीद रहा है पर हाल के महीनों में उसने इस मामले में संतुलन बनाने की कोशिश की है।

रूसी तेल आयात से 16.7 डॉलर की संभावित बचत हुई

कोटक ने अनुमान लगाया कि अप्रैल 2022 से, रूसी आयात से 16 .7 अरब डॉलर (रूस से बाहर के आयात की तुलना में) की संभावित बचत हुई है। रूसी कच्चे तेल के लिए औसत छूट इस वर्ष अब तक 4 .7 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि वित वर्ष 2025 में 2 .5 डॉलर प्रति बैरल होगी, लेकिन वित वर्ष 2023/24 के स्तर से कम है। पिछले वर्षों की तुलना में कम छूट के बावजूद, रूसी बैरल भारतीय रिफाइनरों के लिए लागत प्रभावी बने हुए हैं। कोटक ने कहा कि पश्चिमी प्रतिबंधों और धीरे-धीरे बढ़ते उपायों के बावजूद, रूस के तेल निर्यात पर अभी तक कोई खास असर नहीं पड़ा है। यूरोपीय संघ के देशों की ओर से आयात में कमी की भरपाई भारत, चीन, तुर्की और कुछ अन्य देशों द्वारा आयात में वृद्धि से हुई है।

पिछले तीन वर्षों में रूस कच्चे तेल का बड़ा स्त्रोत : रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2022 तक भारत के कच्चे तेल के आयात में रूस की हिस्सेदारी न के बराबर थी, लेकिन पिछले तीन वर्षों से रूस कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत है। 2022 की शुरुआत में यूक्रेन संघर्ष के बाद रूसी तेल पर प्रतिबंध लगने के बाद भारत के रिफाइनरों ने भारी छूट का लाभ उठाते हुए मास्को से बड़ी मात्रा में तेल खरीदा। रूस के सस्ते बैरल ने भारत को अरबों डॉलर बचाने में मदद की है। कोटक ने अनुमान लगाया, अप्रैल 2022 से रूस से आयात के कारण 16.7 अरब अमेरिकी डॉलर (रूस से बाहर के आयात की तुलना में) की संभावित बचत हुई है। 2022 की शुरुआत में यूक्रेन संघर्ष के बाद रूसी तेल पर प्रतिबंध लगने के बाद भारत के रिफाइनरों ने भारी छूट का लाभ उठाते हुए मास्को से खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि शुरू कर दी। मूल्य के लिहाज से, सस्ते बैरल ने भारत को अरबों डॉलर बचाने में मदद की है।

भाई दूज के दिन 6 हजार रुपये तक सस्ती हुई चांदी

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर 2025। घरेलू सर्राफा बाजार मे चांदी के भाव में लगातार गिरावट का रुख बना हुआ है। आज भाई दूज के दिन भी इस चमकीली धातु की कीमत में 4 हजार से 6 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में चांदी 4 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक टूटा है, तो चेन्नई में इसकी कीमत में 6 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में चांदी की कीमत गिर कर 1,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,59,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं, बेंगलुरु में चांदी 1,60,000 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,59,400 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 6 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट के बावजूद 1,74,000 रुपये के स्तर पर बनी हुई है। वैश्विक बाजारों में चांदी का हाजिर भाव 0.20 प्रतिशत गिर कर 48.43 डॉलर प्रति औंस पर आ गया है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि लंदन के सिल्वर मार्केट में चांदी की सप्लाई बढ़ने से उसकी उपलब्धता का संकट खत्म हो गया है। ऐसी स्थिति में वैश्विक बाजार में चांदी के भाव में 9.15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार और घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के कारोबारी जम कर मुनाफा वसूली कर रहे हैं।

बैंक अकाउंट में अब 4 नॉमिनी जोड़ पाएंगे,नया नियम 1 नवंबर से लागू होगा

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। बैंक कस्टमर अब अपने खाते में चार नॉमिनी जोड़ पाएंगे और ये भी तय कर पाएंगे कि किसे कितना हिस्सा मिलेगा और किसे पहले प्राथमिकता दी जाएगी। ग्राहक अपनी सुविधा के हिसाब से खाते में एक-एक करके या चारों नाम एक ही साथ जोड़ पाएंगे। सरकार ने बैंकिंग सिस्टम में क्लेम के एक समान और आसान निपटारे के लिए ये व्यवस्था शुरू की है। सेफ कस्टडी में रखी चीजों और सेफ्टी लॉकर्स के लिए सिर्फ एक्सेसिव नॉमिनेशन यानी एक के बाद एक नाम नॉमिनेट करने की इजाजत होगी। गुरुवार को वित्त मंत्रालय ने बताया कि बैंकिंग लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2025 के नॉमिनेशन से जुड़े मुख्य नियम 1 नवंबर से लागू होंगे। ये एक्ट 15 अप्रैल 2025 को नोटिफाई हुआ था।

सरकार बोली- इससे निपटारा और उत्तराधिकार में क्लेरिटी रहेगी : मंत्रालय ने कहा, 'ग्राहक चार नॉमिनी बना सकते हैं और हर नॉमिनी का हिस्सा या प्रतिशत तय कर सकते हैं। इससे सभी नॉमिनी के बीच ट्रांसपैरेंट बंटवारा होगा। जो लोग डिपॉजिट, सेफ कस्टडी में सामान या लॉकर रखते हैं, वो चार नॉमिनी बना सकते हैं। अगर ऊपर वाला नॉमिनी नहीं रहा, तो अगला नॉमिनी काम करेगा। इससे निपटारा और उत्तराधिकार में क्लेरिटी रहेगी। अगले महीने से लागू हो रहे बैंकिंग कंपनियां (नॉमिनेशन) नियम 2025 में नॉमिनेशन बनाने,रद्द करने या एक से ज्यादा नॉमिनी तय करने के लिए प्रोसेस औरस फॉर्म होंगे जल्द जारी होंगे।

नॉमिनी का मतलब क्या है?

नॉमिनी का मतलब वह व्यक्ति है, जिनका नाम बैंक खाते, निवेश या बीमा में नॉमिनी के तौर पर जुड़ा होता है और संबंधित व्यक्ति के अचानक निधन पर वह निवेश राशि क्लेम करने का हकदार होता है। मृत्यु के बाद नॉमिनी पैसों को क्लेम करेगा, लेकिन राशि नॉमिनी को तभी मिलेगी, जब उसमें कोई विवाद न हो। अगर मरने वाले के उत्तराधिकारी हैं, तो वे अपने हक के लिए उस राशि के लिए दावा कर सकते हैं। ऐसे में उसे राशि या प्रॉपर्टी के हिस्से सभी कानूनी वारिसों में बराबर बंटेंगे।

इन बदलाव से आम आदमी को क्या मिलेगा?

- बैंकों का कामकाज ज्यादा पारदर्शी और तेज होगा।
- आपके पैसे और लॉकर की सुरक्षा बढ़ेगी।
- नॉमिनेशन के नए नियमों से आपके परिवार को आसानी होगी।
- पुराने नियमों को आज के समय के हिसाब से अपडेट किया गया है, जिससे बैंकिंग अनुभव बेहतर होगा।

किशोरी से कचोहर के बीच 8 करोड़ के पुल का निर्माण ठंडे बस्ते में

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने लोक निर्माण विभाग रायपुर को लिखा था पत्र,पुल निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों में पनप रहा आक्रोश

कोरिया जन सहयोग समिति के सदस्य सौपेंगे कलेक्टर कोरिया को ज्ञापन

क्या पूर्ववर्ती सरकार की थी स्वीकृति इस लिए निर्माण पर लग गया ग्रहण?

पूर्व सरकार के स्वीकृत कार्यों का निर्माण तत्काल शुरू करे सरकार : गुलाब कमरो

-राजन पाण्डेय-

सोनहत,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। विकासखण्ड सोनहत के सुदूर वानांचल ग्राम पंचायत कचोहर से ग्राम किशोरी के बीच करोड़ो की लागत से स्वीकृत बड़े पुल का निर्माण प्रारम्भ नहीं हुआ है। जबकि स्वीकृति पिछली सरकार में ही हो चुकी है जिसके लिए मंत्रालय से बाकायदा आदेश भी पूर्व सरकार में ही जारी हो गया था लेकिन पुल निर्माण प्रारम्भ नही होने से ग्राम वासियों के बीच अब आक्रोश पनपने लगा है। ग्रामीणों ने बताया कि पुल नही होने के कारण काफी लंबा घूम कर जाना पड़ता है यदि पुल बन गया तो किशोरी से कचोहर के अलावा सोनाहरी और अन्य ग्रामो की दूरियां भी घट जाएंगी । ग्रामीणों ने शीघ्र पुल निर्माण की मांग किया है।

पूर्व विधायक ने लोक निर्माण विभाग को लिखा था पत्र : पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने इस सबन्ध में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता को पत्र लिख कर कार्य प्रारंभ कराए जाने की मांग भी किया था, बावजूद इसके कार्य प्रारंभ नही होने से ग्रामीणों में नाराजगी का आलम निर्मित होने लगा है, उल्लेखनीय है कि 2023 में पूर्व विधायक गुलाब कमरों के दौरे के दौरान कचोहर के ग्रामीणों ने विधायक को बाइक से नदी तक ले जाकर उक्त कार्य की मांग किया था जिसके बाद विधायक ने ग्रामीणों को पुलिया स्वीकृति कराने की घोषणा भी किया था जिसके तारतम्य में सितंबर 2023 में ही 8 करोड़ 80 लाख के पुल का स्वीकृति आदेश जारी हो गया था और तब से आज तक स्थिति जस की तस है और कार्य शुरू नही हुआ है।

जब राशि स्वीकृत तो किस बात की देरी कर रहा विभाग : जब 8 करोड़ 80 लाख की राशि पूर्ववर्ती सरकार में स्वीकृत है तो तो फिर विभाग ने कार्य क्यों शुरू नही कराया यह तथ्य समझ से परे है साथ ही कई तरह के सवाल भी खड़े होने लगे हैं, क्या इस कार्य को भी विभाग ठंडे बस्ते में डालना चाहता या फिर यह कार्य भी ओछी राजनिति का शिकार हो कर रह जायेगा। पूर्व विधायक ने कहा है कि शीघ्र निर्माण शुरू नही हुआ तो क्षेत्र की जनता के साथ बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

कोरिया जन सहयोग समिति सौंपेगी ज्ञापन

पुलिया निर्माण के सम्बंध में कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने बताया कि पुल निर्माण को लेकर कलेक्टर कोरिया को ज्ञापन सौंप कार्यवाही की मांग करेंगे,उन्होंने बताया कि पुल के अभाव में ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नवीन ग्राम पंचायत है किशोरी और कचोहर

पिछली सरकार में कचोहर एवं किशोरी दोनों को नवीन ग्राम पंचायत बनाया गया था जिसके बाद से ग्रामीणों की पँचायत मुख्यालय से दूरी कम हो गई लेकिन ब्लॉक मुख्यालय पहुचने के लिए नदी में पुल होना अति आवश्यक है कचोहर और किशोरी के ग्रामीणों ने शीघ्र नदी पर पुल निर्माण की मांग किया है।

भरतपुर के माड़ीसरई में रजत जयंती महोत्सव की गूंज विभागीय योजनाओं से रोशन हुआ ग्रामीण विकास का मार्ग

कृषकों ने पाया आत्मनिर्भरता का मंत्र,रजत जयंती महोत्सव में उमड़ा जनसमूह और विकास का उत्साह

-संवाददाता-

एमसीबी/भरतपुर,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। जिले के भरतपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत माड़ीसरई में रजत जयंती महोत्सव का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और ग्रामीण उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषकों को विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करना था। आयोजन स्थल पर सुबह से ही ग्रामीणों, कृषकों, महिला स्व-सहायता समूहों और युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही । कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण विकास का आधार मजबूत किसान हैं, और आज राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं कृषकों के आर्थिक उत्थान की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हो रही हैं। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को भी कृषि,पशुपालन और उद्यानिकी क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत कृषि स्थायी समिति सभापति श्रीमति सुखमंती सिंह ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर किसान तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसके लिए विभागों द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जनपद पंचायत अध्यक्ष मायाप्रताप सिंह ने ग्रामीण युवाओं को कृषि आधारित स्वरोजगार अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज का किसान सिर्फ खेतों तक सीमित नहीं, बल्कि विज्ञान, तकनीक और नवाचार से जुड़कर आत्मनिर्भर भारत का मजबूत स्तंभ बन सकता है। कार्यक्रम में नरेश यादव, मंडल अध्यक्ष भरतपुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नेतृत्व में आज छत्तीसगढ़ कृषि क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। इसी क्रम में उद्यान विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशुधन विकास विभाग और कृषि विभाग द्वारा कृषकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, मत्स्य पालन सब्सिडी योजना, मुख्यमंत्री गौठान न्याय योजना, उद्यानिकी मिशन, पशुधन संवर्धन योजना, जैविक खेती अभियान सहित कई योजनाओं के लाभ और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में श्रीमति अनिता चौधरी जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य भारती वेनवंश, जनपद सदस्य राजकली, कैलाश सिंह कृषि स्थायी समिति सभापति जनपद पंचायत भरतपुर, जनपद सदस्य सुखलाल मरावी, सरपंच ग्राम पंचायत माड़ीसरई, सरपंच ग्राम पंचायत हरचौका, सरपंच ग्राम पंचायत बड़वाही सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन की अध्यक्षता वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रमाशंकर मिश्रा ने की। इस दौरान समस्त कृषि विकास अधिकारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे जिन्होंने कृषकों के सवालों का समाधान किया और योजनाओं के व्यवहारिक क्रियान्वयन पर चर्चा की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में कृषकों को तकनीकी जानकारी, मिट्टी परीक्षण,बीज वितरण,पशु चिकित्सा सलाह एवं उद्यानिकी प्रशिक्षण भी दिया गया। विशेष रूप से महिला कृषक समूहों ने जैविक खाद निर्माण, सब्जी उत्पादन, और पोल्ट्री फार्मिंग के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए। रजत जयंती महोत्सव के इस आयोजन ने ग्राम माड़ीसरई को विकास, एकता और जनसहभागिता का संदेश दिया।

पूरे आयोजन के दौरान ग्रामीणों में गजब का उत्साह देखने को मिला, वहीं अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मिलकर यह संदेश दिया कि जब शासन, प्रशासन और जनता एक साथ खड़े होते हैं तो विकास की कोई भी मंज़िल दूर नहीं रहती। कार्यक्रम का समापन सामूहिक धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ,जहां सभी ने मिलकर ग्राम के समग्र विकास के लिए संकल्प लिया।

वन बाइट का शुभारंभ पूर्व विधायक ने फीता काट किया शुभारंभ

सोनहत,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सोनहत में वन बाइट का फीता काट कर शुभारंभ किया। सोनहत क्षेत्र में वन बाइट कैफे का यह पहला प्रतिष्ठान है, इसके शुभारम्भ से लोगो मे हर्ष का माहौल देखा गया। संचालक राहुल शर्मा ने बताया कि यहाँ पर वन बाइट की ओर से दी जाने वाली सभी वेराइटी मिल सकेगी। इस अवसर पर बाबा खाटू श्याम के भंडारे का भी आयोजन किया गया।

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0...202506260100055 अ-21/2024-2025

ईश्तहार

निखिल प्रति अमित पाण्डेय

सर्व साधारण ग्रामवासी ग्राम संजयनगर तहसील लटोरी को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री निखिल आ) निरोध राजवंशी जाति बंगाली निवासी ग्राम रविन्द्रनगर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने खाते की भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम संजयसनगर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 67/2 रकबा 0.63 हे0 भूमि को अनावेदक श्री अमित पाण्डेय आ प्रमेश्व पाण्डेय निवासी अम्बिकापुर जिला सरगुजा के पास 13,20,000/- (तेरह लाख बीस हजार रूपये) में विक्रय करने हेतु सौदा तय किया गया है। जिसमें से 13.00,000/- रूपये अग्रिम राशि प्रदाय किया गया है। आवेदित भूमि शासन से पटटे पर प्राप्त भूमि है। उक्त भूमि को विक्रय करने हेतु अनुमति बावत आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय सूरजपुर को प्रस्तुत करने से जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 7/11/2025 को उपस्थित हो कर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। इस तिथि के बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 10-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार लटोरी
जिला- सूरजपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला सरगुजा.छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क0 /ब-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवचरण आ0 राम भरोस, व अन्य 02, निवासी ग्राम खलिबा, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदकगण एवं अनावेदक के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम खलिबा स्थित भूमि खसरा नंबर 964/3 रकबा 0.193 हे0 वर्तमान राजस्व अभिलेखों में दर्ज होने से छूट गया है, जबकि वर्ष 2005-06 में उभयपक्ष के नाम पर दर्ज थी। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने का निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17/11/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 16/10 /2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

सीईओ जिला पंचायत ने ली पीएम सूर्यघर योजना की बैठक

संवाददाता-

कोरबा,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में आज कलेक्ट्रेट सभागार में सीईओ जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग ने प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभिन्न बैंक शाखा प्रबंधक, वेंडर्स एवं सीएसईबी के अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ श्री नाग ने बैठक के दौरान बैंकों में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी शाखा प्रबंधकों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य हर घर को सौर ऊर्जा से जोड़ना है,इसलिए समयबद्ध तरीके से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों व बैंकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया ताकि योजना का क्रियान्वयन तेज़ी और पारदर्शिता के साथ हो सके। बैठक में योजना के प्रचार-प्रसार पर भी विशेष चर्चा हुई। सीईओ ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को इस योजना से जोड़ा जाए। बैठक में सीईओ श्री नाग ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ग्रामीणों के जीवन में ऊर्जा आत्मनिर्भरता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिसके सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों का सामूहिक प्रयास आवश्यक है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी रा. धौरपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क0 /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम जोरी को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रूपनी बाई पति तिन्यियुस तिर्की, जाति उरांव, निवासी ग्राम करदना, तहसील मनोरा, जिला जशपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य भूमि स्थित ग्राम जोरी, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) स्थित खसरा नंबर 649/2 रकबा 0.042 हे0 भूमि को कृषि भिन्न से आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा, सेटलमेंट, रजिस्ट्री इत्यादि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है ।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 24/10/2025 को मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 03/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

(जगत राम सतरंज)
अनुविभागीय अधिकारी
(रा0) धौरपुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202510020700081

विषयःअ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व सन्:-2025-26

अम्बिकापुर प.ह.न. 00015
[2393/16(0.0230हे.)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -शकील सिददकी
अनावेदक पक्षकार- सोगरा बीबी

ईश्तहार

आवेदक शकील सिददीकी आ0 मो0 मोख्तार व अन्य निवासी ग्राम रसूलपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2393/16 रकबा 0.023 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में हिब्बानामा के आधार पर अनावेदक का नाम विलोपित कर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील

उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202510020700093

विषयःअ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व सन्:-2025-26

अम्बिकापुर प.ह.न. 00015
[2497/13(0.0270हे.)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -मकसूद अहमद
अनावेदक पक्षकार-श्रीमती कमरूनिशा पति मो. निसार,श्रीमती अंजुम आरा, तरन्नुम

ईश्तहार

आवेदक मकसूद अहमद आ0मंजूर अहमद व अन्य निवासी सदर रोड कदम्बी चौक बरेजपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2497/13 रकबा 0.027 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृत खातेदार कमरूनिशा का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील

उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार
अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202510020700090

विषय:अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व सन्:-2025-26

बकिरमा प.ह.न. 00053
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -शलभ गुप्ता
अनावेदक पक्षकार-अभिनव गुप्ता,विशाल गुप्ता,जुहीरानी,गिरजा, राजेंद्र, गोपाल दास केशरवानी, सुधांशु, मु. रेनू गुप्ता,

ईश्तहार

आवेदक शलभ गुप्ता आ0स्व0 गिरजा प्रसाद गुप्ता व अन्य निवासी ग्राम बकिरमा स्थित कुल खसरा नंबर 07 कुल रकबा 2.282 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृतक खातेदार गिरजा प्रसाद गुप्ता का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील

उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार
अंबिकापुर

तहसीलदार/कार्यपालिका दण्डाधिकारी रामानुजनगर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क0 131121/2025-26

ईश्तहार

आम जनता ग्रामवासी ग्राम पटना को सूचित किया जाता है कि श्री सुखलाल आ0 धर्मपाल जाति-गोंड, निवासी-ग्राम पटना, थाना रामानुजनगर, तहसील-रामानुजनगर जिला-सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने माता- रगमेन, पति-धर्मसाय का मृत्यु दिनांक 15.08.2015 होने से अपने माता रगमेन पति-धर्मसाय का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतू आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

जिस किसी आम जनता या ग्रामवासियों को कोई आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति दिनांक 28.10.2025 को इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि के पश्चात कोई विचार नही किया जावेगा एवं अग्रीम कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 14.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

कार्यपालन दण्डाधिकारी
रामानुजनगर
जिला-सूरजपुर

तहसीलदार/कार्यपालिका दण्डाधिकारी रामानुजनगर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क0 13/121/2025-26

ईश्तहार

आम जनता ग्रामवासी ग्राम पटना को सूचित किया जाता है कि श्री धनजय सिंह आ0 श्री राय सिंह जाति-गोंड, निवासी-ग्राम पटना, थाना रामानुजनगर, तहसील-रामानुजनगर जिला-सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने दादी बिफईया, पति-समल साय का जन्म-मृत्यु दिनांक 03.03.2009 होने से अपने दादी विफईया पति-समल साय का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतू आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

जिस किसी आम जनता या ग्रामवासियों को कोई आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति दिनांक 28.10.2025 को इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि के पश्चात कोई विचार नही किया जावेगा एवं अग्रीम कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 14.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं

सील

कार्यपालन दण्डाधिकारी
रामानुजनगर
जिला-सूरजपुर

नगर पंचायत सीएमओ पटना के स्वेच्छाचारिता की जांच 15 दिनों की बजाए 23 दिनों में भी नहीं हो सकी संभव,आखिर किसका है दबाव?

कोरिया जिला प्रशासन आखिर क्यों नगर पंचायत पटना में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर चल रहा है पैदल चाल,मामले में क्यों सीएमओ का हो रहा बचाव?

- कलेक्टर ने सीएमओ पर लगे स्वेच्छाचारिता मामले की जांच का जिम्मा एसडीएम को सौंपा,एसडीएम समय सीमा के बाद भी नहीं पहुंचे जांच करने
- क्या सीएमओ नगर पंचायत पटना को भ्रष्टाचार की छूट ही प्रदान कर दी गई है इसलिए जांच करने से परहेज किया जा रहा है?
- कोरिया जिला प्रशासन क्यों आखिर नगर पंचायत पटना के मामले में पैदल चाल चल रहा?

-संवाददाता-
कोरिया/पटना 23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिला प्रशासन नव गठित नगर पंचायत पटना में व्याप्त भ्रष्टाचार और सीएमओ की स्वेक्षाचारिता मामले में क्यों मौन है,क्यों वह पैदल चाल चल रहा है यह समझ से परे है,सीएमओ की स्वेच्छाचारिता को लेकर और उसके द्वारा किए जा रहे लगातार भ्रष्टाचार की शिकायत अध्यक्ष ने कलेक्टर कोरिया सहित कई जगह की है जिसमें नगरीय प्रशासन रायपुर में भी मामले की शिकायत की गई है और नगरीय प्रशासन विभाग रायपुर द्वारा नगरीय प्रशासन संभागीय कार्यालय सरगुजा संभाग को निर्देश प्रदान कर जांच भी कराई गई जिसमें सीएमओ दोषी पाए गए भ्रष्टाचार साबित होना पाया गया वहीं इसी तरह की शिकायत कलेक्टर कोरिया से की गई थी जिसके बाद कलेक्टर कोरिया ने एसडीएम बैकुंठपुर को जांच का आदेश दिया था और जो जांच 15 दिवस की समय सीमा के भीतर की जानी थी वह 23 दिनों के बाद भी संभव नहीं हो सकी और मामला कहीं न कहीं दबाने का प्रयास समझ में आया।

वैसे आखिर कलेक्टर कोरिया हर बार क्यों सीएमओ नगर पंचायत पटना के मामले में अपने ही निर्णय को निर्देश या आदेश को लागू नहीं करवा पा रही हैं यह बड़ा सवाल है क्योंकि एक बार पहले भी उन्होंने सीएमओ के खिलाफ हुई शिकायत पर जांच दल का गठन किया था जिसको सीएमओ ने नगर पंचायत में जांच नहीं करने दिया था और तब नाराज कलेक्टर ने सीएमओ को जिला स्तर पर जिला कार्यालय में संलग्न करने का आदेश जारी किया था और उनकी जगह एक डिप्टी का कलेक्टर को प्रभार सौंपने का आदेश जारी किया था जो आदेश प्रभावी नहीं हो सका था न उस पर कोई क्रियान्वयन हो सका था क्योंकि तब यह बात सामने आई थी कि सीएमओ की ऊंची पहुंच पकड़ के आगे कलेक्टर को अपने ही आदेश को अप्रभावी करना पड़ा था। अब एक बार फिर वैसा ही मामला फिर समझ में आ रहा है और कलेक्टर कोरिया द्वारा समय सीमा में जो जांच करने का निर्देश जारी किया गया था उस आदेश पर जांच समय सीमा में नहीं हुई और 15 दिनों की बजाए 23 दिनों बाद भी एसडीएम बैकुंठपुर नगर पंचायत पटना जांच करने नहीं पहुंचे,वैसे सवाल यह भी है कि जब जांच किए जाने की मंशा ही नहीं है तो क्यों फिर आदेश जारी कर दिखावे की जरूरत पड़ रही है,यदि सीएमओ पटना भ्रष्टाचार के बावजूद भी ऊंची पहुंच पकड़ के साथ नगर पंचायत पटना में ही बने रहने की क्षमता रखता है क्यों जांच के नाम पर आदेश निकालकर दिखावे की आवश्यकता पड़ रही है।

कलेक्टर के आदेश के बाद भी 15 दिवस में पूर्ण किए जाने वाली जांच 23 दिनों में क्यों नहीं हुई पूर्ण

कलेक्टर कोरिया ने सीएमओ नगर पंचायत पटना के विरुद्ध प्राप्त शिकायत की जांच के लिए एसडीएम बैकुंठपुर को जांच अधिकारी नियुक्त करते हुए 15 दिवस में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश जारी किया था,आदेश जारी होने के बाद अब 23 दिन बीत गए,न जांच हुई न ही एसडीएम पटना नगर पंचायत जांच करने पहुंचे,अब एसडीएम ने क्यों जांच नहीं की,कलेक्टर कोरिया द्वारा तय जांच के लिए समय सीमा का भी एसडीएम ने क्यों ध्यान नहीं रखा बड़ा सवाल है।

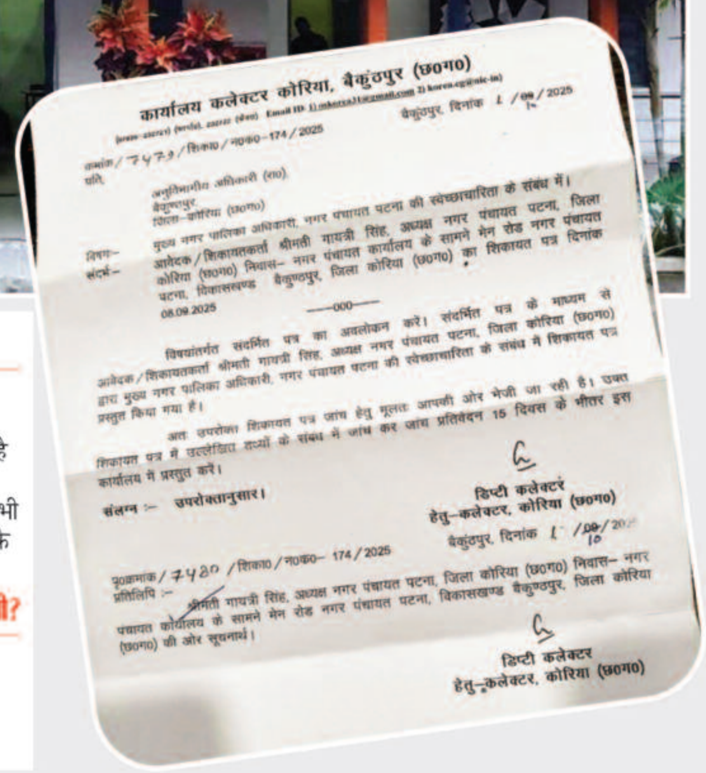
कार्यालय कलेक्टर कोरिया, बैकुंठपुर (छ0ग0)
बैकुंठपुर, दिनांक / /2025
क्रमांक/7479/शिका0/न0क0-174/2025
प्रति,
अनुविभागीय अधिकारी (रा0)
बैकुण्ठपुर
जिला-कोरिया (छ0ग0)
विषय- मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत पटना की स्वेच्छाचारिता के संबंध में।
संदर्भ- आवेदक/शिकायतकर्ता श्रीमती गायत्री सिंह, अध्यक्ष नगर पंचायत पटना, जिला कोरिया (छ0ग0) निवास- नगर पंचायत कार्यालय के सामने मेन रोड नगर पंचायत पटना, विकासखण्ड बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ0ग0) का शिकायत पत्र दिनांक 08.09.2025
---000---
विषयांतर्गत संदर्भित पत्र का अवलोकन करें। संदर्भित पत्र के माध्यम से आवेदक/शिकायतकर्ता श्रीमती गायत्री सिंह, अध्यक्ष नगर पंचायत पटना, जिला कोरिया (छ0ग0) द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत पटना की स्वेच्छाचारिता के संबंध में शिकायत पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः उपरोक्त शिकायत पत्र जांच हेतु मूलतः आपकी ओर भेजी जा रही है। उक्त शिकायत पत्र में उल्लेखित तथ्यों के संबंध में जांच कर जांच प्रतिवेदन 15 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत करें।
संलग्न :- उपरोक्तानुसार।
डिप्टी कलेक्टर
हेतु-कलेक्टर, कोरिया (छ0ग0)
बैकुंठपुर, दिनांक / /20
पृ0क्रमांक/7480/शिका0/न0क0-174/2025
प्रतिलिपि :-
श्रीमती गायत्री सिंह, अध्यक्ष नगर पंचायत पटना, जिला कोरिया (छ0ग0) निवास- नगर पंचायत कार्यालय के सामने मेन रोड नगर पंचायत पटना, विकासखण्ड बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ0ग0) की ओर सूचनार्थ।
डिप्टी कलेक्टर
हेतु-कलेक्टर, कोरिया (छ0ग0)

क्या सीएमओ को अंततः बचाना ही है जिला प्रशासन का उद्देश्य?

नगर पंचायत पटना के सीएमओ द्वारा किए गए भ्रष्टाचार से नगर अपने गठन के पहले साल ही चरमरा गया है,सीएमओ ने केवल अपनी जेब भरने का काम किया है यह साबित होना केवल बाकी रह गया है जिसके सबूत ढेर सारे हैं,बावजूद कोई कार्यवाही जिला प्रशासन नहीं कर रहा है और न ही जांच दल ही जांच करने पहुंच रहा है,कलेक्टर ने यह दूसरी बार जांच लिए आदेश जारी किए हैं जिसका परिणाम यह सामने है कि 15 दिनों में की जाने वाली जांच 23 दिनों में भी शुरू नहीं हुई है,अब क्या सीएमओ को बचाना ही अंतिम उद्देश्य है जिला प्रशासन का,क्या इसके लिए दबाव में है जिला प्रशासन?

एसडीएम की तेज तर्रार छवि नगर पंचायत पटना के सीएमओ के सामने क्यों हो रही धीमी?

एसडीएम बैकुंठपुर काफी तेज-तर्रार खुद को साबित करते हैं बावजूद उन्होंने कलेक्टर द्वारा निर्देशित और समय अवधि में की जाने वाली जांच के आदेश में धीमी अपनी चाल अब तक साबित की है,आखिर एसडीएम क्यों सीएमओ पटना के मामले में धीमे हो जा रहे हैं यह बड़ा सवाल है,क्या मामला धीमे चलने का ही रहने वाला है यह देखने वाली बात होगी।

तब और अब...25 बरस में कोरिया में 151 सड़कों और 589 किमी का सफर

7 पुलों ने बढ़ाई आवागमन की सुविधा-सुदूर गांवों को मिला संपर्क

-संवाददाता-
कोरिया 23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस दौरान राज्य के प्रत्येक जिले में विकास की गाथाएँ लिखी गई हैं। कोरिया जिला भी इससे अछूता नहीं रहा। बीते 25 वर्षों में यहां सड़क निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 2000 में जब राज्य का गठन हुआ था, तब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना,मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना या मुख्यमंत्री ग्राम गौरवपथ जैसी योजनाओं का नाम तक ग्रामीण अंचलों में नहीं सुना गया था। लेकिन वर्ष 2025 तक का यह 25 वर्ष का सफर, सड़कों के निर्माण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हुआ है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 97 सड़कों का निर्माण किया गया, जिनकी कुल लंबाई 495.12 किलोमीटर है।मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में 25 सड़कों (83.20 किमी) और मुख्यमंत्री ग्राम गौरवपथ योजना के अंतर्गत 29 सड़कों (10.40 किमी) का निर्माण हुआ। इसके साथ ही 7 पुलों के निर्माण ने

आवागमन को और सुगम बना दिया है। इन सड़कों और पुलों ने न केवल ग्रामीण अंचलों को जोड़ने का काम किया, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन के क्षेत्र में नई संभावनाएँ भी खोली हैं। जो गांव पहले वर्षों से एक-दूसरे से कटे हुए थे, अब सहज संपर्क में हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार ने ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए सड़कों के जाल को मजबूती देने पर विशेष ध्यान दिया है। इससे दूरस्थ अंचलों में रहने वाले आम नागरिकों, स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ-साथ पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा लाभ मिला है। 25 वर्षों की इस विकास यात्रा ने यह साबित कर दिया है कि मजबूत सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि और आत्मनिर्भरता की रीढ़ हैं। कोरिया जिले की धरती अब पर्यटन, व्यवसाय और आधुनिक जीवनशैली की नई राहों पर आगे बढ़ रही है।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो पहुंचे सोनहत के देवी धाम,पंडो पारा में ग्रामीणों की सुनी समस्या

-संवाददाता-
सोनहत,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सोनहत क्षेत्र का दौरा किया इस दौरान विधायक गुलाब कमरो ने सोनहत पहुच कर स्थानीय कार्यकर्ताओ से मुलाकात किया इसी दौरान विधायक सोनहत के प्राकृतिक स्थल देवी धाम भी पहुंचे जहां मां ज्वालामुखी के मंदिर पर पूजा अर्चना किया। पूर्व विधायक ने देवी धाम स्थल पर प्राकृतिक जल स्त्रोत एवं कुंड का भी अवलोकन किया और काफी देर क्षेत्र के लोगों से बात कर क्षेत्र की जानकारी ली।

पंडोपारा में ग्रामीणों से मुलाकात

पूर्व विधायक ने सोनहत क्षेत्र की पंडो जनजाति बाहुल्य क्षेत्र पंडोपारा पहुच कर ग्रामीणों से मुलाकात किया इस दौरान पूर्व सरपँच पवन साय पंडो से मुलाकात कर क्षेत्र का हाल जाना और समस्याएं भी सुनी , पूर्व विधायक ने क्षेत्र से जुड़ी कई समस्याओं के निराकरण हेतु कलेक्टर कोरिया से चर्चा कर निराकरण कराने की बात भी कही ।

किसानों से खेती और धान की फसल का लिया जायजा : पूर्व विधायक ने सोनहत के किसानों से भी खेती की जानकारी ली इस दौरान धान की पैदावार गिरदावरी सहित कई मुद्दों पर बात कर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल अवगत कराने कहा, पूर्व विधायक ने कहा कि किसी भी किसान के रकबे कटौती इत्यादि हो तो बताए तत्काल निराकरण कराया जाएगा।

ग्रामीणों ने बताई बिजली बिल की समस्या : ग्रामीणों ने पूर्व विधायक को बिजली बिल अधिक आने सहित हैंड पम्प में लाल पानी के अलावा वन विभाग में मजदूरी से जुड़ी कई समस्याओं को अवगत कराया,पूर्व विधायक के दौरे के दौरान प्रकाश चन्द्र साहू लव प्रताप सिंह अविनाश पाठक वीरेंद्र साहू रुद्र साहू, सहित कई लोग साथ रहे।

गोवर्धन पूजा हमारी संस्कृति का आधार,गोवंश संरक्षण से ही सशक्त होगा ग्रामीण भारत : स्वास्थ्य मंत्री

-संवाददाता-
एमसीबी,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के खड़गवां विकासखंड के ग्राम धनपुर स्थित श्रीहरि गौशाला में पारंपरिक आस्था और ग्रामीण उत्सव का प्रतीक गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ग्राम जनप्रतिनिधि, स्थानीय जनपद सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पशुपालकों के गाय, बैल, भैंस, बकरी आदि पशुओं की स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण तथा रोग निवारण संबंधी दवाओं का वितरण किया गया। पशु चिकित्सा विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पशुओं के रखरखाव, पोषण, दुग्ध उत्पादन वृद्धि तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह प्रकृति, गोवंश और मानव जीवन के गहरे संबंध का प्रतीक है। हमारी संस्कृति में गौ माता का स्थान सर्वोच्च है, और गोवंश संरक्षण से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। सरकार किसानों व पशुपालकों के कल्याण हेतु अनेक योजनाएं चला रही है, जिसका लाभ हर घर तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि गौ ग्राम और गंगा हमारी सभ्यता की आत्मा हैं, और इन तीनों की रक्षा से ही भारत आत्मनिर्भर व समृद्ध बनेगा।

कोरिया में तीन दिवसीय राज्योत्सव की तैयारियां शुरू

सभी शासकीय भवनों में होंगी रोशनी,धान खरीदी 15 नवम्बर से,तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने की समीक्षा,एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों के पंजीकरण जरूरी

-संवाददाता-
कोरिया,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के अवसर पर जिले में 2 से 4 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने अधिकारियों को आज बैठक में दिशा-निर्देश देते हुए सभी तैयारियों की जवाबदेही तय की। जिले के सभी शासकीय भवनों में 1 से 5 नवम्बर तक विशेष रोशनी की जाएगी। कलेक्टर ने सभी विभागों को अपने उपलब्धियों की प्रदर्शनी और स्टॉल लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में हासिल की गई विकास यात्रा आम जनता के सामने प्रदर्शित की जानी चाहिए। कृषि क्षेत्र की तैयारियों पर भी कलेक्टर ने जोर दिया। उन्होंने कहा कि 30 अक्टूबर तक एग्रीस्टेक पोर्टल पर किसानों का पंजीकरण होना जरूरी है। सभी एसडीएम और तहसीलदार समय सीमा के भीतर पंजीकरण सुनिश्चित करें।

धान खरीदी 15 नवम्बर से शुरू होगी और 9 नवम्बर को पंजीकृत किसानों को टोकन जारी किए जाएंगे। इसके लिए बारदाना की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने मार्कफेड अधिकारी से कहा कि किसानों को कटे-फटे बोरी नहीं दें। धान खरीदी केंद्रों में सुरक्षा और बिजली, पानी जैसी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के लिए सहकारिता एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

साथ ही,बिजली विभाग से कहा गया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें। जिला शिक्षा अधिकारी को जाति और निवास प्रमाण पत्र बनाने में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से कहा कि राज्योत्सव और धान खरीदी की तैयारियाँ समय पर पूरी हों और जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर डीडी मंडावी, संयुक्त कलेक्टर अमित गुप्ता, दीपिका नेताम, एसडीएम उमेश पटेल, अंशुल वर्मा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री आकाश पोद्दार, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री ए.,टोप्पो, कृषि विभाग के उप संचालक राजेश भारती, जिला खनिज अधिकारी भूषण पटेल, जिला कोषालय अधिकारी पी.एस. परिहार सहित विभिन्न विभागों अधिकारी उपस्थित रहे।

गेवरा कोयला खदान में प्रदर्शन कर रहे भू-विस्थापितो पर लाठीचार्ज से भू-विस्थापित घायल

-संवाददाता-
कोरबा,23 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ किसान सभा (अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध) के नेतृत्व में सार्वजनिक क्षेत्र के वृहद उपक्रम कोल् इंडिया की अनुसांगिक कंपनी एसईसीएल बिलासपुर के अधीन कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में स्थापित खुले मुहाने की गेवरा कोयला परियोजना अंतर्गत एसईसीएल की मेगा परियोजना गेवरा कोयला खदान में रोजगार, पुनर्वास और मुआवजा की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे भू-विस्थापितों पर सीआईएसएफ ने लाठीचार्ज किया। इस घटना में कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनमें किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू, रमेश दास, बिमल दास और गुलाब दास आदि भी शामिल हैं। बताया जा रहा हैं की आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस और सीआईएसएफ बल तैनात था। प्रदर्शन शांति पूर्ण चल रहा था और एसईसीएल के अधिकारी वार्ता के लिए बुला रहे थे। इसी दौरान सीआईएसएफ के एक अधिकारी द्वारा प्रदर्शनकारियों के साथ अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की गई, जिसके बाद अचानक बल ने लाठीचार्ज शुरू कर दिया।लाठीचार्ज के बाद घायल प्रदर्शनकारियों को जबरन उठाकर थाने ले जाया गया। जब ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली, तो वे भी बड़ी संख्या में दीपका थाना पहुंच गए। ग्रामीणों ने मारपीट और लाठीचार्ज का आदेश देने वाले सीआईएसएफ अधिकारियों पर अपराध दर्ज करने की मांग की।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में भारत को दो विकेट से हराया, श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त

एडिलेड,23 अक्टूबर 2025। ऑस्ट्रेलिया ने भारत से वनडे सीरीज एक मैच बाकी रहते ही जीत ली है। एडिलेड में गुरुवार को खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट से जीत हासिल की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 264 रन बनाए। रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 73 रन बनाए। श्रेयस अय्यर ने 61 रन की पारी खेली। एडम जम्पा ने चार विकेट लिए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 46.2 ओवर में 8 विकेट खोकर टारगेट चेज कर लिया। मैथ्यू शॉर्ट ने सबसे ज्यादा 74 रन बनाए। कूपर कोनोली 61 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत से अर्शदीप सिंह, वाशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा ने 2-2 विकेट लिए। तीसरा वनडे 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा।

खराब रही भारत की शुरुआत

टॉस हारकर बैटिंग कर रही भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 2 विकेट 17 रन के स्कोर तक पहुंचने में गिर गए। कप्तान शुभमन गिल 9 और विराट कोहली खाता खोले बिना आउट हुए। दोनों का विकेट जेवियर बार्टलेट ने लिया। इसके बाद रोहित और अय्यर ने तीसरे विकेट की साझेदारी में 118 रन जोड़े। भारत ने 29.2 ओवर में 2 विकेट खोकर 135 रन रन बना लिए थे। शुरुआत में काफी धीमा खेलने वाले रोहित और अय्यर दोनों ने तेजी से रन बनाना शुरू कर दिया था। रोहित मिचेल स्टार्क गेंद पर बड़ा शॉट जमाने की कोशिश में हेजलवुड के हाथों कैच आउट हुए। इसके कुछ देर बाद अय्यर भी पवेलियन लौट गए। उनका विकेट एडम जम्पा ने लिया।

कोहली ने एडिलेड को गुडबाय कहा

विराट कोहली लगातार दूसरे वनडे में जीरो पर आउट हुए। जब वे पवेलिटन लौट रहे थे तो एडिलेड में मौजूद दर्शकों ने उनके सम्मान में खड़े होकर तालियां बजाई। कोहली ने इस पर रिस्पॉन्स दिया और हाथ उठाकर तालियों का शुक्रिया कहा। माना जा रहा है कि यह एडिलेड में कोहली की आखिरी अंतरराष्ट्रीय पारी है। कोहली टेस्ट और टी-20 से पहले ही रिटायर हो चुके हैं। अगले दो साल में भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करना है। इसका मतलब हुआ कि अगर कोहली 2027 में साउथ अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक खेलते भी हैं तो भी ऑस्ट्रेलिया में अब वे कोई मैच नहीं खेलेंगे।

अर्शदीप ने बार्टलेट,सिराज ने स्टार्क को आउट किया

45वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने 7वां विकेट गंवाया। यहां अर्शदीप सिंह ने जेवियर बार्टलेट (3 रन) को कप्तान गिल के हाथों कैच कराया। 43वें ओवर की तीसरी बॉल पर ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट गंवाया। मिचेल ओवेन (36 रन) को वॉशिंगटन सुंदर ने कैच आउट कराया। उन्होंने एलेक्स कैरी (9 रन) को भी आउट किया।

कॉनोली और ओवेन के बीच फिफ्टी पार्टनरशिप

42वें ओवर में कॉनोली और ओवेन ने छठे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली है। सिराज के ओवर की 5वीं बॉल पर कूपर कॉनोली ने चौका लगाया और साझेदारी को 50 पार पहुंचा दिया। उन्होंने आखिरी बॉल पर दो रन लेकर फिफ्टी भी पूरी की। रोहित शर्मा अब वनडे क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने सौरव गांगुली को पीछे छोड़ा है। रोहित ने भारत के लिए 275 मैचों में 11,249 रन बनाए हैं। वहीं, गांगुली ने भारत के लिए 308 मैचों में 11,221 रन बनाए थे। गांगुली ने वनडे इंटरनेशनल में वैसे 311 मैचों में 11,363 रन बनाए हैं। इनमें एशिया 11 की ओर से तीन मैचों में बनाए 142 रन भी शामिल हैं। वनडे में भारत की ओर से रोहित से ज्यादा रन सिर्फ सचिन तेंदुलकर (463 मैचों में 18,426 रन) और विराट कोहली (304 मैचों में 14,181 रन) ही बना सके हैं।

रोहित शर्मा ने तोड़ा गांगुली का महारिकॉर्ड

वर्ल्ड के टॉप-5 दिग्गजों की लिस्ट में धमाकेदार एंट्री

एडिलेड,23 अक्टूबर 2025। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी दूसरे वनडे में रोहित शर्मा ने शानदार वापसी करते हुए 97 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 73 रनों बेहद संयमित पारी खेली है। इसके साथ ही रोहित ने बतौर ओपनर वनडे फॉर्मेट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को पछाड़ दिया है। भारतीय खिलाड़ियों में अब रोहित से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं। रोहित शर्मा 186 वनडे पारियों में 9,170 से अधिक रन बना चुके हैं, जबकि सौरव गांगुली ने 236 पारियों में सलामी बल्लेबाज के तौर पर 9,146 रन बनाए थे। इसी के साथ रोहित शर्मा ने वर्ल्ड के टॉप-5 दिग्गजों की लिस्ट में धमाकेदार एंट्री मारी है।

विश्व में सचिन तेंदुलकर शीर्ष पर

सचिन तेंदुलकर इस लिस्ट में शीर्ष पर हैं। तेंदुलकर ने 340 पारियों में 15,310 रन बनाए, जबकि सनथ जयसूर्या 383 पारियों में 12,740 रन बनाकर इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर हैं। तीसरे स्थान पर मौजूद क्रिस गेल ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर 274 पारियों में 10,179 रन बनाए। वहीं, एडम गिलक्रिस्ट 259 पारियों में 9,200 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं।

एडिलेड में खेली 73 रनों की अहम पारी

टी20 इंटरनेशनल और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद रोहित शर्मा लंबे वक्त बाद भारत की ओर से वनडे सीरीज खेल रहे हैं। इस सीरीज से पहले रोहित मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेलते नजर आए थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीरीज के पहले मैच में रोहित 14 गेंदों में महज 8 रन बनाकर आउट हुए थे। हालांकि वह दूसरे वनडे में 97 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 73 रनों की पारी खेलने में सफल रहे हैं।

आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में खेली थी 76 रनों की पारी

रोहित ने पिछली बार वनडे क्रिकेट फॉर्मेट में 9 फरवरी 2025 को शतक लगाया था। उन्होंने कटक में इंग्लैंड के खिलाफ 119 रन की पारी खेली थी। इसके बाद रोहित ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 76 रन की पारी खेली थी। टीम इंडिया एडिलेड में करो या मरो के मुकाबले में उतरी है। भारतीय टीम पर्थ में खेले गए सीरीज के पहले मैच को गंवा चुकी है। ऐसे में सीरीज बचाने के लिए भारतीय टीम को हर हाल में इस मुकाबले को जीतना होगा।

मुरादाबाद में 25 अक्टूबर से जुटेंगे टेनिस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर 2025। मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन व चड्ढा लाइफस्टाइल की ओर से आगामी 25 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन डॉ भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी एवं पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के टेनिस कोट पर प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक होगा। यह जानकारी गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी व टूर्नामेंट संयोजक अवनीश रस्तोगी ने प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट में 35 आयु वर्ग से 75 आयु वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। अलग-अलग वर्ग में आयोजित होने वाले टूर्नामेंट में मैंस, वूमेंस की प्रतिस्पर्धा होगी। टूर्नामेंट से जुड़े करनवीर सिंह ने बताया कि चैम्पियंस कप को अपनी गुणवत्ता, खिलाड़ियों को प्रदत्त सेवाएं, उच्च स्तर की सुविधाएं एवं मानकों से अधिक श्रेष्ठता हेतु अंतरराष्ट्रीय टेनिस संघ द्वारा (लंदन स्थित) पुरस्कृत किया गया है। जिसके लिए 2024 तक एक प्रमाण पत्र भी जारी किया गया है जो मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के सचिव अवनीश रस्तोगी के पास सुरक्षित है। उल्लेखनीय है कि ये अवार्ड उत्तर प्रदेश में पहली बार मुरादाबाद को मिला है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान स्टार ईवेंट के नाम से जाना जाता है। इस वर्ष लगभग 207 एंट्री रजिस्टर हो चुकी हैं जिसमें विदेशी पुरुष वर्ग के सोलवाकिया, अमेरिका से एवं महिला वर्ग में जर्मनी, अमेरिका से खिलाड़ी 23 अक्टूबर को मुरादाबाद के मैदान में आकर प्रैक्टिस करेंगे। 30 आयु वर्ग में सिल्वर मेडल विनर लक्षित एवं चंद्रिल सूद, 35 आयु वर्ग में ब्रांज मेडल विनर मिशल, कार्तिकेय, 40 आयु वर्ग में फरीद उस्मानी, आदित्य, 45 आयु वर्ग में नरेंद्र चौधरी, 50 आयु वर्ग में जगदीश तंवर, अवनीश रस्तोगी,बंटी तालान, 55 आयु वर्ग में पवन कपूर, अनुराग अग्रवाल, 60 आयु वर्ग में चंद्र भूषण, राजन बेरी, 65 आयु वर्ग में अजीत भारद्वाज, मैहर प्रकाश, मयूर बंसल, 70 आयु वर्ग में चटवाल, अरविंद भसीन, 75 आयु वर्ग में धवल पटेल, राज गोयल, महिला वर्ग में चेतना, मनीषा, हरप्रीत, राधा बंसल, सिद्धि, विभा, मंजू खरे आदि नामचीन खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। टूर्नामेंट के संचालन हेतु 1 रेफरी आईटीएफ एंटोन डिसूजा अपने 5 अम्पायर की टीम के साथ 24 अक्टूबर को मैदान में उपस्थित रहेंगे। खिलाड़ियों के लिए प्रतिदिन अल्पाहार, लंच एवं फल व शिकंजी के आवा कॉसमॉस हॉस्पिटल की एक्सपर्ट फिजियोथेरेपी टीम साक्षी के निर्देशन में उपस्थित रहेगी। मैच के तहत लाइव कवरेज की व्यवस्था लॉज में 56 इंच के स्क्रीन पर लाइव प्रदर्शित रहेगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में अकादमी से अधिकारी उपस्थित रहेंगे। मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव जैन ने बताया कि टूर्नामेंट संबंधित सभी तैयारियों को अंतिम रूप प्रदान किया जा रहा है। अवनीश रस्तोगी ने आगे बताया कि यह 11 वां ईवेंट है। इसकी सफलता का श्रेय मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारी एवं चड्ढा ग्रुप को जाता है। इस टूर्नामेंट का आयोजन स्वर्गवासी हरभजन सिंह चड्ढा की स्मृति में प्रति वर्ष किया जाता है।

पाकिस्तान की टी-20 टीम में नसीम शाह की वापसी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज का भी कमबैक

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी घरेलू टी20 सीरीज के साथ ही श्रीलंका व जिम्बाब्वे के खिलाफ ट्राई सीरीज के लिए अपनी टी20 टीम का ऐलान कर दिया है। पाकिस्तान की टी20 टीम में तेज गेंदबाज नसीम शाह के साथ उसके लिए टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले स्टार बल्लेबाज बाबर आजम की भी वापसी हो गई है। 15 सदस्यीय टीम में अब्दुल समद की भी वापसी हुई है, जबकि उस्मान तारिक टीम के एकमात्र अनकैप्ड सदस्य हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज : दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी, जिसके बाद 17 से 29 नवंबर तक इन्हीं स्थानों पर ट्राई सीरीज भी खेली जाएगी। बाबर और नसीम ने आखिरी बार 2024 के अंत में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे और हाल ही में हुए एशिया कप का हिस्सा नहीं थे। लेकिन, उनकी वापसी से अगले साल चार महीने बाद होने वाले टी20 विश्व कप में उनके चयन की संभावनाएं बढ़ गई हैं। दिलचस्प बात यह है कि फखर ज़मान और हारिस रऊफ, सूफियान मोकिम के साथ, केवल रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं।

पाकिस्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम : सलमान अली आगा (कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, बाबर आज़म, फहीम अशरफ, हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान (विकेट कीपर), सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान (विकेट कीपर), उस्मान तारिक। रिजर्व: फखर जमान, हारिस रऊफ, सूफियान मोकिम।

वनडे टीम में फैसल अकरम, हारिस रऊफ और हसीबुल्लाह की वापसी : पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका 4 से 8 नवंबर तक फैसलाबाद में तीन वनडे मैच भी खेलेंगे, जिसके बाद पाकिस्तान 11 से 15 नवंबर तक रावलपिंडी में श्रीलंका के साथ एक और वनडे सीरीज की मेजबानी करेगा। एकदिवसीय मैचों के लिए नए कप्तान शाहीन शाह अफरीदी 16 सदस्यीय टीम की कमान संभालेंगे, जिसमें फैसल अकरम, हारिस रऊफ और विकेटकीपर-बल्लेबाज हसीबुल्लाह की वापसी हुई है।

वर्ल्ड चैंपियंस ने रावलपिंडी में पाकिस्तान को चटाई धूल, सिर्फ 13 ओवर में चेज कर लिया टारगेट

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर 2025। साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच को 8 विकेट से जीत लिया है। इसी के साथ मेहमान टीम ने दो मुकाबलों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर खत्म की। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान ने 93 रन से जीत हासिल की थी। ऐसे में सीरीज का दूसरा मैच निर्णायक बन गया था। सीरीज ड्रॉ करवाने के लिए साउथ अफ्रीका को यह मैच हर हाल में जीतना था। रावलपिंडी में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम ने पहली पारी में 333 रन बनाए। कप्तान शान मसूद ने 87, जबकि सऊद शकील ने 66 रन की पारी खेली। इनके अलावा, अब्दुल्ला शफीक ने 57 रन बनाए। मेहमान टीम से केशव महाराज ने सर्वाधिक 7 विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम ने पहली पारी में 404 रन बनाकर बढ़त हासिल की। साउथ अफ्रीका की ओर से सेनुरन मुथुसामी ने 89 रन की नाबाद पारी खेली। उनके अलावा ट्रिस्टन स्टब्स ने 76 रन टीम के खाते में जोड़े। पाकिस्तान की तरफ से इस पारी में आसिफ अफरीदी ने 6 विकेट हासिल किए।

हार्मर ने चटकाए 6 विकेट : पाकिस्तानी टीम अपनी दूसरी पारी में महज 138 रन ही बना सकी। इस पारी में बाबर आजम ने 87 गेंदों में 50 रन बनाए। साउथ अफ्रीकी गेंदबाज हार्मर ने 6 विकेट लिए। इसी के साथ साउथ अफ्रीका को जीत के लिए महज 68 रन का टारगेट मिला। मुकाबले के चौथे दिन आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को रयान रिकेल्टन और कप्तान एडन मार्करम ने शानदार शुरुआत दिलाई। सलामी जोड़ी के बीच 11.3 ओवरों में 64 रन की साझेदारी हुई।

मार्करम 45 गेंदों में 42 रन बनाकर आउट हुए, जिसके कुछ देर बाद स्टब्स भी चलते बने। यहां से रिकल्टन (नाबाद 25) ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। टेस्ट सीरीज के बाद दोनों देशों के बीच तीन टी20 और इतने ही वनडे मुकाबलों की सीरीज खेली जानी है।

इंडोनेशिया में इजरायली जिम्नास्ट के प्रवेश पर रोक

आईओसी ने खेल संघों को वहां आयोजन न कराने की सलाह दी, ओलिंपिक बोली- बातचीत रुकी

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) ने सभी खेल संघों को सलाह दी है कि वे इंडोनेशिया में कोई भी आयोजन न करें। साथ ही इंडोनेशिया के साथ भविष्य में ओलिंपिक खेलों की मेजबानी को लेकर चल रही सभी बातचीत पर रोक लगा दी गई है। आईओसी ने यह कदम इंडोनेशिया में हो रही वर्ल्ड आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में इजरायली खिलाड़ियों को प्रवेश देने से इनकार के बाद उठाया गया है।

इजराइली खिलाड़ियों को वीजा देने से किया इनकार

इंडोनेशिया में 19 से 25 अक्टूबर तक वर्ल्ड आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। इंडोनेशिया ने इजराइली जिम्नास्ट्स को वीजा देने से मना कर दिया था। यह फैसला गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान के विरोध में लिया गया। इसके कारण इजराइली खिलाड़ी जकार्ता में शुरू हुई वर्ल्ड आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले सके। इंडोनेशिया के कानूनी मामलों के वरिष्ठ मंत्री युसरिल इहजा महेंद्रा ने कहा था कि इजराइल की भागीदारी को लेकर सरकार और इस्लामिक धर्मगुरुओं की परिषद ने आपत्ति जताई थी।

इजराइल जिम्नास्टिक फेडरेशन ने जताया दुःख

इजरायल जिम्नास्टिक फेडरेशन ने इंडोनेशिया के फैसले को चौंकाने वाला और दुखद बताया है। आईओसी ने भविष्य के क्वॉलिफिकेशन नियमों में बदलाव की घोषणा की आईओसी ने कहा है कि वह अब क्वॉलिफिकेशन इवेंट्स के नियमों में बदलाव करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर खिलाड़ी, उसकी राष्ट्रीयता चाहे जो हो, किसी भी ओलिंपिक क्वालिफायर में हिस्सा ले सके। साथ ही, आईओसी ने इंडोनेशियाई ओलिंपिक समिति और इंटरनेशनल जिम्नास्टिक फेडरेशन को लॉजेन (स्विट्जरलैंड) स्थित आईओसी मुख्यालय में एक बैठक के लिए बुलाया है, ताकि इस मुद्दे पर चर्चा की जा सके। बैठक की तारीख फिलहाल तय नहीं की गई है।

इजराइल से कोई औपचारिक संबंध नहीं: इंडोनेशिया के इजराइल से कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं है और देश ने गाजा युद्ध में इजराइल की कड़ी आलोचना की है। यहां तक कि इस महीने सीजफायर लागू होने के बाद भी इंडोनेशिया का रुख इजराइल के खिलाफ ही रहा है।

2036 ओलिंपिक की मेजबानी की उम्मीद खत्म

इंडोनेशिया की 2036 ओलिंपिक मेजबानी की दावेदारी अब लगभग खत्म हो गई है। आईओसी ने भविष्य में ओलिंपिक खेलों की मेजबानी को लेकर चल रही सभी बातचीत रोक दी है। आईओसी ने यह भी स्पष्ट किया है कि जब तक इंडोनेशिया लिखित में यह आश्वासन नहीं देता कि भविष्य में किसी भी देश के खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने से नहीं रोका जाएगा, तब तक उस पर विचार नहीं किया जाएगा। इंडोनेशिया पहले 2036 के समर ओलिंपिक की मेजबानी में रुचि जता चुका था, लेकिन आईओसी के इस फैसले से उसकी यह उम्मीद लगभग समाप्त हो गई है।

मेरठ की पलक सिंह का अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन

नई दिल्ली,23 अक्टूबर 2025। पीतलनगरी मुरादाबाद में संचालित हो रही सुप्रसिद्ध मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट अकादमी में क्रिकेट बारीकियां सिखाने वाली मेरठ के लोहिया नगर निवासी पलक सिंह का चयन उत्तर प्रदेश अंदर-19 महिला क्रिकेट टीम में हो गया है। बुधवार को कानपुर में घोषित अंडर-19 महिला क्रिकेट की 15 सदस्य टीम में पलक सिंह को लेग स्पिनर ऑलराउंडर के रूप में जगह दी गई है। मॉडर्न पब्लिक स्कूल (एमपीएस) क्रिकेट अकादमी के संचालक व पलक के कोच मिर्जा दानिश आलम ने इसे मुरादाबाद मंडल के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि पलक की मेहनत और संघर्ष रंग लाया है। यह चयन न केवल अकादमी बल्कि पूरे पश्चिमी उप्र के लिए गर्व का विषय है। मिर्जा दानिश आलम ने बताया कि 2 वर्ष पूर्व पलक सिंह मुरादाबाद में आ गई थी और उन्होंने महानगर के बुद्धि विहार स्थित कॉलोनी में किराए का कमरा लेकर रहना प्रारम्भ कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने एमपीएस क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लेकर क्रिकेट की बारीकियां सीखना भी शुरू कर दिया था। पलक सुबह से शाम तक क्रिकेट के मैदान में पसीना बहाकर प्रैक्टिस करती थी और अपने कमरे पर अकेले रहकर खुद ही अपना खाना बनाती थी व दैनिक दिनचर्या के कार्य भी करती थी। अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन होने के बाद पलक सिंह ने कहा कि यह उनके लिए बेहद खुशी का पल है लेकिन अभी भी वह और अधिक मेहनत करेगी और नीली जर्सी पहनने का सपना पूरा करेंगी। पलक के पिता सतपाल सिंह और मां ममता सिंह ने अपनी बेटी के अंदर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन होने पर कहा है कि उनके लिए यह बहुत ही बड़ी उपलब्धि है जिसको शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। वहीं पलक के कोच मिर्जा दानिश आलम ने कहा कि पलक बहुत ही मेहनती और अनुशासित खिलाड़ियों में से एक हैं। मैदान में अगर इसे कभी चोट भी लग जाती थी तो यह हिम्मत नहीं हारती थी और अपनी प्रेक्टिस जारी रखती थी। मैदान पर उन्होंने जो पसीना बहाया उसी का परिणाम आज सबके सामने हैं।

पलक सिंह ने बताया कि पूर्व में उनका चयन अंडर 13 और अंडर 16 कैंप में भी हुआ था लेकिन उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई थी। बीते वर्ष अंडर-19 टीम के ट्रायल से ठीक पहले उनके हाथ की उंगली टूट गई थी।

राज्योत्सव 2025...मंत्रियों ने लगाई अफसरों की क्लास

पीएम विजिट को लेकर तैयारियों की प्रोग्रेस रिपोर्ट मांगी,सुरक्षा और भव्यता पर खास ध्यान देने के निर्देश

रायपुर,23 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में राज्योत्सव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप और वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी मौजूद थे। डिप्टी सीएम साव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य की रजत जयंती के मौके पर होने वाला यह आयोजन ऐतिहासिक और यादगार बने, इसलिए सभी तैयारियां समय पर और उच्च स्तर पर पूरी की जाएं। डिप्टी सीएम साव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नवा रायपुर आगमन छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का अवसर है। इसलिए आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था को पूर्णता और भव्यता के साथ तैयार किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए और समस्त विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

इन मुद्दों पर हुई चर्चा

बैठक में राज्योत्सव स्थल पर सेक्टरवार व्यवस्थाओं, बैठक क्षमता,सुरक्षा इंतजाम,परिक्रमा पथ, वीवीआईपी सेक्टर,पार्किंग और पेयजल जैसी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। साथ ही प्रधानमंत्री के प्रवास के दौरान होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा और आवागमन मार्ग की योजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, रायपुर कलेक्टर डॉ . गौरव सिंह,संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य,रायपुर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी .के . भ्रतपहरी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पूरे साल चलेगा उत्सव : छत्तीसगढ़ राज्य को बने 24 साल पूरे हो चुके हैं और अब यह अपने 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। सरकार ने इसे रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, खानपान, लोकनृत्य और खेलों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम होंगे। हर महीने अलग थीम पर आयोजन किए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य है कि गांव से लेकर शहर तक, और पंचायत से लेकर राजधानी तक, हर स्तर पर लोगों को उनकी जड़ों से जोड़ा जाए। राज्योत्सव में प्रदेश के सभी जिलों से कलाकार,लोक-नर्तक,और हस्तशिल्पी शामिल होंगे।

तीन डोम बनेंगे, 60 एलईडी स्क्रीन लगेगी

नवा रायपुर में राज्योत्सव मेला स्थल पर मुख्य मंच के सामने 3 विशाल डोम बनाए जा रहे हैं, जिनमें 60 एलईडी स्क्रीन लगाई जाएगी। मेले में बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। लोगों के प्रवेश के लिए 2 द्वार होंगे, जिनमें से एक विभागीय प्रदर्शनी के लिए होगा। इस प्रदर्शनी में राज्य शासन के विभिन्न विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों की जानकारी दिखाई जाएगी। मुख्य मंच के पास डिजिटल प्रदर्शनी और प्रधानमंत्री आवास मॉडल भी रखा जाएगा। स्थल पर 40 हजार वाहनों के लिए पार्किंग, 300 शौचालय, 20-बेड हॉस्पिटल, आईसीयू, 25 एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड वाहन की व्यवस्था की गई है।

आईपीएस रतनलाल डांगी पर लगे आरोप की जांच करेंगे आईजी आनंद छाबड़ा

रायपुर,23 अक्टूबर 2025। पुलिस महकमे के हाई प्रोफाइल सेक्स स्कैंडल और ब्लैकमेलिंग की शिकायतों को छत्तीसगढ़ सरकार ने गंभीरता से लिया है। सरकार ने इसकी जांच का आदेश दे दिया है। 2001 बैच के सीनियर आईजी डॉ. आंनद छाबड़ा को जांच अधिकारी बनाया गया है। हालांकि, छाबड़ा भी आईजी हैं, मगर रतनलाल डांगी से दो बैच सीनियर हैं। पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार जांच अधिकारी आनंद छाबड़ा ने महिला और आईपीएस की शिकायतों की बिंदुवार विवेचना प्रारंभ कर दी है। छाबड़ा की रिपोर्ट के बाद सरकार आगे की कार्रवाई करेगी। बता दें, छत्तीसगढ़ के 2003 बैच के आईपीएस अफसर रतनलाल डांगी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। आरोप पुलिस महकमे के सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने लगायी है। बिलासपुर के सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने इस मामले की शिकायत आला अफसरों से की है। महिला ने आरोप लगाया है की आईपीएस डांगी बीते सात साल से शारीरिक शोषण कर रहे हैं। पीड़ित महिला ने शिकायत में इस बात का भी जिक्र किया है कि उसके पास आईपीएस रतनलाल डांगी के ख़िलाफ़ कई आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य भी हैं। बताते है, महिला के पास निजी पलों के भी अश्लील वीडियो हैं। छत्तीसगढ़ में इस स्तर के अश्लील वीडियो के साथ किसी वरिष्ठ आईपीएस अफसर के खिलाफ यह पहला मामला होगा। उधर, पता चला है, आईपीएस डाँगी ने उससे पहले डीजीपी अरुणदेव गौतम को महिला के खिलाफ ब्लैकमेल की शिकायत की है। शिकायत में डांगी ने कहा है कि महिला लगातार उसे ब्लैकमेल कर रही है। उसके घर को महिला ने नर्क बना दिया है। महिला की प्रताड़ना से बचाने की गुहार लगाई है।

बहुचर्चित मर्डर केस : सभी आरोपियों को बड़ी राहत,बरी हुए

बिलासपुर,23 अक्टूबर 2025। महासमुंद जिले के बहुचर्चित अविनाश पांडेय हत्या मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। यह फैसला जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की डिविजन बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के पहले के फैसले को पलटते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष अपने आरोप साबित करने में असफल रहा। बता दें कि यह मामला जून 2013 का है, जब अविनाश पांडेय गंभीर रूप से घायल अवस्था में एफसीआई गोदाम, बागबहरा के पास पाया गया था। शुरुआती जांच में पुलिस ने इसे सड़क दुर्घटना माना था, लेकिन बाद में हत्या का मामला दर्ज कर सात आरोपियों विश्वजीत राय, सनी राय, संटू राय, रवि चंद्राकर, रवि खरे, मनीष सोनी और ढाबा कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया गया।

आईपीएस हो या आईएएस होगी कार्रवाई : सीएम साय

आईपीएस रतनलाल डांगी पर यौन उत्पीड़न का आरोप,मरवाही में बोले...जांच के बाद होगा एक्शन

रायपुर,23 अक्टूबर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मरवाही दौरे के दौरान आईपीएस रतनलाल डांगी पर लगे आरोपों पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि चाहे आईपीएस हो या आईएएस, आरोप लगने पर जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मरवाही विधायक प्रणव मरपच्ची की माता के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने ऐंठी गांव पहुंचे थे। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने सीनियर आईपीएस रतनलाल डांगी पर लगे आरोपों पर स्पष्टीकरण दिया।

शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त : सीएम साय दोपहर करीब 2 बजे हेलिकॉप्टर से ऐंठी गांव पहुंचे और लगभग 50 मिनट तक वहां रुके। उन्होंने विधायक मरपच्ची और उनके शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एसआई की पत्नी ने लगाया है यौन उत्पीड़न का आरोप

बता दें कि सीनियर आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। यह आरोप पुलिस विभाग में पदस्थ एसआई की पत्नी ने लगाया है। महिला ने पुलिस मुख्यालय जाकर डीजीपी से शिकायत की है। मामले की जांच की जिम्मेदारी आईजी आनंद छाबड़ा को सौंपी गई है।

रंगोली को लेकर हो गई हत्या,महज बाइक को रंगोली पर चढ़ाने की बात पर हुआ था विवाद

भिलाई नगर,23 अक्टूबर 2025। इस्पात नगरी भिलाई के खुर्सीपार थाना क्षेत्र में हत्या की एक वारदात हो गई। यहां के एच एससीएल कॉलोनी राजेंद्र नगर के समीप रंगोली पर महज बाइक चढ़ाने पर संध्या 5:00 बजे सर्विस रोड पर युवक की चाकू मारकर सरेआम हत्या कर दी गई। वही बाइक सवार 01 अन्य युवक घायल हो गया। जिसका निजी चिकित्सालय में इलाज जारी है। पुलिस ने हत्या की इस वारदात में जीजा-साले को हिरासत में ले लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक ने सुबह 9:00 बजे आरोपी के बेटी के बनाए हुए हुए रंगोली पर जानबूझकर बाइक चढ़ा दिया। इसके बाद आरोपी व मृतक के बीच कहासुनी हुई। संध्या 5:00 बजे मृतक और आरोपी के बीच पुनः विवाद होने पर मृतक से ही चाकू छीनकर आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लेने के बाद साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है।

स्कूल में चिकन-शराब पार्टी करने वाले 2 टीचर सस्पेंड

अतिथि शिक्षक की मेहमान-नवाजी में मुर्गा मंगाकर कटवाया,बच्चों के सामने शराब पीकर गाली दिए

बिलासपुर,23 अक्टूबर 2025। बिलासपुर जिले के एक सरकारी स्कूल में शराब-मुर्गा पार्टी करने का मामला सामने आया है। स्कूल के टीचरों ने मध्यान्ह भोजन के किचन में रसोइयों से मुर्गा मंगाकर कटवाया। फिर चिकन बनाकर पार्टी की। मामला मस्तूरी ब्लॉक के रहटाटोर प्राइमरी स्कूल का है। दरअसल अन्य स्कूल के हेडमास्टर ऑफिशियली अतिथि शिक्षक बनकर रहटाटोर के स्कूल पहुंचे थे। जहां उनकी मेहमानवाजी में ये पार्टी की गई। इसमें स्कूल के टीचर हेडमास्टर भी शामिल हुए। स्कूल के बच्चों ने बताया की सब बैठकर शराब पी रहे थे,जिसके बाद नशे में उन्होंने गाली गलौज भी की। मामला सामने आने पर जिला शिक्षा अधिकारी ने हेडमास्टर और टीचर को सस्पेंड कर दिया है।

मेहमान नवाजी के बहाने शिक्षकों ने की पार्टी : दरअसल,घटना बीते 7 अक्टूबर की है। रहटाटोर स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में सामाजिक अंकेक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें आधिकारिक रूप में अतिथि बनकर मानिकचौरी मिडिल स्कूल के हेडमास्टर गोपीलाल मार्शल शामिल हुए। उनकी मेहमान नवाजी के बहाने हेडमास्टर राजेश्वर मरावी और सहायक शिक्षक मनोज नेताम ने मुर्गा पार्टी का आयोजन किया, जिसमें स्कूल के शिक्षकों को भी बुलाया गया। इस दौरान मुर्गा मंगाकर स्कूल के मध्यान्ह भोजन बनाने वाले रसोइयों से चिकन बनवाया गया। इससे पहले शिक्षकों ने दारू पार्टी भी की। स्कूली बच्चों ने बताया कि कार्यालय कक्ष में बैठकर प्रधान पाठक राजेश्वर मरावी, शिक्षक मनोज नेताम और एक अन्य शिक्षक ने शराब पी रहे थे।

बच्चों को लगाई फटकार,पैरेंट्स को दी जानकारी : इस दौरान कक्षा में बच्चे और महिला रसोईयां भी मौजूद थीं। शराब के नशे में शिक्षक स्कूली बच्चों से गाली-गलौज करने लगे, जिससे बच्चे डर गए और घर चले गए। उन्होंने पूरी घटना की जानकारी अपने अभिभावकों को दी। जिस पर अभिभावक और जनप्रतिनिधि स्कूल पहुंच गए।

मामले को दबाने में जुटे रहे ब्लॉक के अधिकारी

स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिक्षकों के दारू-मुर्गा पार्टी करने का मामला सामने आने के बाद भी मस्तूरी विकासखंड के शिक्षा अधिकारी इस मामले को दबाने का प्रयास करते रहे। यही वजह है कि जानकारी के बाद भी उन्होंने इसकी सूचना जिला मुख्यालय के अफसरों को नहीं दी।

पखांजूर में 50 नक्सलियों ने किया सरेंडर

पखांजूर,23 अक्टूबर 2025। उत्तर बस्तर में सक्रिय सीसी मेंबर रामधेर के अपने 50 नक्सली साथियों के साथ महला कैंप में आत्मसमर्पण की खबर है। सभी नक्सलियों पर कुल मिलाकर 50 लाख रुपए का ईनाम बताया जा रहा है। पखांजूर से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर महला कैम्प में सुबह से हचलच मची हुई है। बड़े नक्सली नेता सोनू उर्फ भूपति के बाद रूपेश के आत्मसमर्पण के बाद अब तीसरी कड़ी में सीसी मेंबर रामधेर का नाम शामिल हो गया है। उसकी संगठन पर पकड़ का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वह अकेले नहीं बल्कि अपने 50 साथियों के साथ नक्सली विचारधारा को त्याग कर समाज की मुख्य धारा में शामिल होने के लिए आत्मसमर्पण कर रहा है। इसके पहले 17 अक्टूबर को बस्तर पुलिस लाइन ग्राउंड में 210 नक्सलियों ने सामूहिक आत्मसमर्पण किया था। इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों का फूलों और संविधान की पुस्तक के साथ स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री सीएम साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा और डिप्टी सीएम अरुण साव ने भी इसका हिस्सा बनकर नक्सलियों का स्वागत किया था। इस मौके पर वरिष्ठ माओवादी नेताओं सहित केंद्रीय समिति सदस्य रुपेश उर्फ सतीश, भास्कर उर्फ राजमन मंडावी, रनिता, राजू सलाम, धन्नू वेट्टी उर्फ संतू और क्षेत्रीय समिति सदस्य रतन एलम ने भी आत्मसमर्पण किया था। उन्होंने 153 हथियार भी सुरक्षा बलों को सौंपे थे, जिनमें 19 AK-47, 17 SLR, 23 INSAS, 1 INSAS LMG, 36 .303 राइफलें, 4 कार्बाइन और 11 बैरल ग्रेनेड लॉन्चर शामिल थे।

प्रसूता की मौत से हड़कंप,परिजन बोले...जरूरत से ज्यादा ब्लड चढ़ाया

दुर्ग, 23 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से एक दुखद खबर सामने आई है,जहां जामुल स्थित सुविधा हॉस्पिटल में डाक्टर की लापरवाही के कारण एक प्रसूता की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के तीन दिन बाद खून की कमी होने पर जरूरत से ज्यादा ब्लड चढ़ाने की वजह से महिला की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, मृतका का इलाज सुविधा हॉस्पिटल में चल रहा था और उसका ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था। लेकिन तीन दिन बाद महिला की स्थिति बिगड़ गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन ने खून की सही मात्रा का ध्यान नहीं रखा और जरूरत से ज्यादा ब्लड चढ़ा दिया, जिससे महिला की मौत हो गई। परिजनों का यह भी आरोप है कि मौत की सूचना उन्हें दिए बिना अस्पताल प्रशासन ने सीधे पुलिस को सूचित किया। इस बड़ी लापरवाही से आहत मृतका का परिवार जामुल थाने पहुंचा और डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले में पुलिस ने सीएमएचओ को पत्र भेजकर मेडिकल जांच टीम गठित करने की मांग की है। फिलहाल, मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बिलासपुर में पुरानी रंजिश में युवक पर हमला,युवक अस्पताल में भर्ती

बिलासपुर,23 अक्टूबर 2025। बिलासपुर जिले के पचपेड़ी में पुरानी रंजिश के चलते तीन युवकों ने मिलकर एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में हमलावरों पर केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम बेल्हा निवासी युवक अमन राज का गांव के अभय उइके और उसके दोस्तों से पुराना विवाद चल रहा था। इसके चलते अभय और उसके दोस्त मौके की तलाश में थे। मंगलवार को अभय गांव के मुन्ना किराना दुकान के पास बैठा था। उसी समय अभय उईके उर्फ पउव्वा, अजय उईके उर्फ भोंदल और रोशन उईके वहां पहुंचे और पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज करने लगे। इस दौरान अमन राज ने उन्हें गाली देने से मना किया। इतने में मौका पाकर तीनों युवकों ने मिलकर उसपर हमला कर दिया।

रायगढ़ में डबल मर्डर का खुलासा...भतीजा समेत 2 गिरफ्तार

पुरानी रंजिश और रुपए लेनदेन बना हत्या का कारण,डंडे से और घसीट-घसीट कर मार डाला

रायगढ़,23 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पति-पत्नी की लाश मिली थी। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक मृतक दंपती का भतीजा है और दूसरा गांव का युवक है। दोनों ने पुरानी रंजिश और पैसों के लेन-देन के विवाद में मिलकर पति-पत्नी की हत्या कर दी। घरघोड़ा थाना क्षेत्र के कपाटडेरा भेंड्रा गांव में बुधवार सुबह गुरबार सिंह राठिया (43) और उसकी पत्नी मनिता राठिया (30) का शव उनके घर के आंगन में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही SP, ASP, SDOP, थाना प्रभारी, साइबर सेल, एफएसएल और डॉग स्क्वाड की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच में पता चला कि मंगलवार रात मृतक का भतीजा ओमप्रकाश राठिया (32) और गांव का ही युवक भगलु उर्फ ओमप्रकाश राठिया (20) गुरबार सिंह के घर पहुंचे थे। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उन्होंने हत्या करना कबूल कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि करीब 3-4 साल पहले गुरबार सिंह ने भगलु के पिता के साथ मारपीट की थी, जिससे वे बदला लेने की सोच रहे थे। इसी रंजिश के चलते दोनों ने मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

रुपए लेनदेन भी बना मौत का कारण : मृतक का भतीजा ओमप्रकाश राठिया को करीब 1-2 साल पहले रास्ते में कुछ रुपए मिले थे। मृतक गुरबार सिंह और उसकी पत्नी को शक था कि उसके गुम हुए 6 हजार रुपए वही हैं, जो ओमप्रकाश को मिले थे और उसने वापस नहीं किए। इसी बात को लेकर कई बार दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। इसी वजह से भतीजा ओमप्रकाश भी उनसे नाराज था और मन में रंजिश रखे हुए था।

शराब पीने के बाद घटना को दिया अंजाम : पुराने विवाद के चलते दोनों आरोपियों ने मिलकर गुरबार सिंह की हत्या की साजिश रची। मंगलवार की रात वे ओमप्रकाश के साथ उसके घर पहुंचे। वहां तीनों ने मिलकर शराब पी। शराब पीते समय गुरबार सिंह और उसकी पत्नी ने भतीजे ओमप्रकाश को गाली दी और अपने पैसे वापस मांगने लगे। तभी आरोपियों ने पास रखे डंडे और हाथ-मुक्के से उसकी जमकर पिटाई शुरू कर दी।

घसीट-घसीट कर पीटा

आरोपियों ने पति-पत्नी को घसीट-घसीट कर इतना पीटा कि उनके कपड़े तक फट गए और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी वहां से भाग गए। पुलिस ने दोनों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया डंडा और मोबाइल भी बरामद किया गया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

पंचायत विभाग में जिला समन्वयकों का तबादला

सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की करेंगे मॉनिटरिंग

रायगढ़,23 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के तहत पंचायत विभाग में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए विभिन्न जिलों में संविदा में नियुक्त जिला समन्वयक और सहायक जिला समन्वयकों की नई पदस्थापना सूची जारी की है। शासन की ओर से जारी आदेश में कई जिलों के समन्वयकों का युक्तिकरण कर उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूची के अनुसार, आदर्श श्रीवास्तव को जिला समन्वयक कार्यालय उप संचालक पंचायत जिला बलौदाबाजार से स्थानांतरित कर उप संचालक पंचायत जिला बिलासपुर भेजा गया है। वहीं टेक सिंह साहू को सहायक जिला समन्वयक कार्यालय उप संचालक पंचायत जिला सरगुजा से गौरेला-पेंड्रा-मरवाही स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह विजय दुर्गासी को कांकेर से नारायणपुर, चन्द्रेश टांक को रायगढ़ से सक्ती, शेख इरफान को राजनांदगांव से मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी भेजा गया है। नरेन्द्र कुमार जायसवाल को बिलासपुर से सारंगढ़-बिलाईगढ़ स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा कुश कुमार साहू को कोंडागांव से बीजापुर और मनोज कुमार साहू को कोरबा से खैरागढ़-छुईखदान-गंडई भेजा गया है। पंचायत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इससे जिलों में ग्राम स्वराज योजना के कार्यों में गति आएगी और समन्वय बेहतर होगा।

डबरी में डूबने से पिता-पुत्र की मौत : मधुमक्खी के हमले से बचने कूदे,लेकिन बाहर नहीं निकल पाए

जगदलपुर,23 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के बस्तर में तालाब में डूबने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। बताया जा रहा है 23 अक्टूबर की सुबह छिंदगांव में ग्रामीण खेत में काम कर रहे थे। तभी मधुमक्खियों के झूंड ने हमला किया जिससे सब इधर-उधर भागे। पिता-पुत्र डबरी में कूदे और डूब गए। मामला करपावंड थाना क्षेत्र का है। घटना के बाद दोनों को बाहर निकालने में 3 से 4 घंटे का वक्त लग गया तब तक दोनों की सांस थम चुकी थी। वहीं, मधुमक्खी के डंक मारने से 4-5 ग्रामीण घायल हुए है।

जान बचाने के लिए भागे थे दोनों : पुलिस के मुताबिक,छिंदगांव के रहने वाले भुवनेश्वर पटेल (60) अपने बेटे विनोद पटेल (32) समेत गांव के अन्य ग्रामीणों के साथ गांव में ही खेत में काम कर रहे थे। इसी बीच अचानक मधु मक्खियों के झुंड ने इनपर हमला कर दिया। सभी ग्रामीण जान बचाने के लिए यहां-वहां भागे। वहीं जान बचाने के लिए भुवनेश्वर अपने बेटे विनोद के साथ डबरी में कूद गए। जिसके बाद दोनों बाहर ही नहीं निकले। इस मामले की जानकारी जब गांव के अन्य ग्रामीण और परिजनों को मिली तो वे भी मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी खबर की। जिसके बाद ढूंढने के लिए कुछ लोग पानी में उतरे।

शव निकालने में 3-4 घंटे का वक्त लग गया : करीब 3 से 4 घंटे के बाद उनके शव को पानी से बाहर निकाला गया। तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल लाया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। करपावंड पुलिस के मुताबिक, मधु मक्खियों के हमले से करीब 4 से 5 ग्रामीण घायल भी हुए हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)